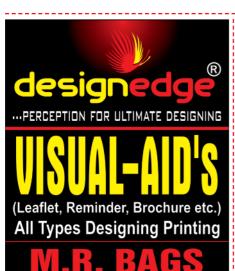
Year 14 Issue 11 D.O.P. 01 August 2021 Pages 16 | ₹ 10/- Copy | © 09045029158, medicaldarpan.ctp@gmail.co



**Embroidery & Printing** 

No Designing Cost \* Lowest Price For Above 25 Books \* Delivery on Time

Ph.: 01765-522605, 090239 79870 mail: mktg.designedge@gmail.com, Website: www.designedgeindia.i

**Our General Divisions** Third Party Enquiry Also Welcome MERRIL New Molecules available For any query :- 9719839944 NUECAD Emocare Gensure-Sachet Piraciti-Plus Metolip-ER 25/50 Metoprolol Tartrate 25/50 (ER) L-Arginine 3gm. + Proanthocyanidin 75 mg Velpy-200/300/500 **Nuepido-AS** Gensure-LC NMPC-softgel/SR tab/ Inj Candigel **Emofexine Tab** Clopidogrel 75 mg +Aspirin 150 mg Emofexine Plus -50 Gensure-F Clonazepam 0.5 mg

Registered Office: - A-401/402, Empire Business Hub,

Science City Road, Ahmedabad-380060 (Gujrat)-India, Email: order@mestrapharma.com Website: www.mestrapharma.com





We Offer Max. Brands Name with Trade Mark Yearly Bonanza

All Kind of Promotional Inputs Variety of Gift Articles Fresh Long Expiry Goods

More than 170 Products in Tablets, Capsules, liquid, Injections, Protein Powder E.t. Competitive Rates

Attractive Packings

Products Manufactured Unde SCHEDULE 'M' with **WHO & GMP Norms** 

09839141955

LATEST & DCGI APPROVED PRODUCTS

- Cafpodoxime Prozetil & Ofloxorin Tablets Fexofenadine & Montelukast Tablets
- - Etoricoxib & Thiocolchicoside Toblets
- Robeprozole & Levosulpiride Copsules
- Ferrous Ascorbate In Tablets, Drop & Syrup
- & Many more products



#### SANTO MEDI SCIENCES PVT. LTD.

(An ISO 9001:2015 & ISO 22000: 2005 Certified Company)

Bye Pass, Sapoon, Dist. Solan - 173211 (H.P.) Ph.: +91-1792-220191, Mob.:9839141955, 6390845955

email: info@santomedisciences.com, santomedi@gmail.com, santosales@rediffmail.com

Visit us at : www.santomedisciences.com | www.facebook.com/santo.sciences

District Wise PCD Parties Throughout India





Your enquiries are welcome for pharma franchise / 3rd party mfg for ayurvedic & herbal products

For Bus. Enquiry:

9216325808 www.paxvedicscience.com



MEDISHRI HEALTHGARE PUT. LTD.
(An ISO 9001 : 2015 Certified Company)
Regd. Office : 149, Ground Flaor. Block G, Pocket-2, Sector-16, Rohini, New Delhi
Works : Khasva No.-27, Mandawar, Bhagwangur. Roofikee, Clistt. Haridwar (U.K.)





#### डॉ. रेड्डी ने सैप्रोप्टेरिन डायहाइड्रोक्लोराइड पाउडर लॉन्च किया

24 SHRIRAM COMPLEX,94/1 SHRIRAM PURAM COLONY LANE

NO.1, KANWALI ROAD, DEHRADUN (U.K)

**Monopoly Rights** 

**Highest Quality Standards** 

हैदराबाद, भारत और प्रिंसटन, एनजे, डॉ. रेड्डीज लेबोरेटरीज लिमिटेड् ने आज सेप्रोप्टेरिन डायहाइड्रोक्लोराइड के लॉन्च की घोषणा की। ओरल सॉल्यूशन के लिए पाउडर, 100mg, यूएस फूड एंड ड्रग एडिमिनिस्ट्रेशन (यूएसएफडीए) द्वारा अनुमोदित ओरल सॉल्यूशन, 100 मिलीग्राम, यूएसपी के लिए कुवन ® (सैप्रोप्टेरिन डाइहाइड्रोक्लोराइड) का एक चिकित्सीय समकक्ष जेनेरिक संस्करण है। डॉ. रेड्डीज लैबोरेटरीज के नॉर्थ अमेरिका जेनरिक के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मार्क किकुची कहते हैं, ''हम ओरल सॉल्यूशन के लिए सैप्रोप्टेरिन डाय्हाइड्रोक्लोराइड पाउडर के इस जेनेरिक संस्करण को लॉन्च करके खुश हैं। ष्डसी समय, यह उत्पाद प्रदर्शित करता है कि हम एक दुर्लभ बीमारी के इलाज के साथ अपने पोर्टफोलियो की चौड़ाई को सिक्रिय रूप से बढ़ा रहे हैं।" ओरल सॉल्यूशन के लिए डॉ रेंड्डी का सैप्रोप्टेरिन डाइहाइंड्रोक्लोराइड पाउडर 100 मिलीग्राम के एक कार्टन में 30 मिलीग्राम यूनिट खुराक पैकेट में उपलब्ध है।

शान्ति का चुम्बन बन जाइये ताकि आप अपनी ओर आकर्षित होने वाली अशान्त आत्माओं को शान्ति प्रदान कर सर्क

#### इच्छा शक्ति

मानव जीवन के किसी भी क्षेत्र में सफलता, विकास और उन्नित के लिए दृढ़ इच्छा शक्ति का होना आवश्यक है.मानव जीवन के किसी भी क्षेत्र में चमत्कार करना दृढ़ इच्छा शक्ति का ही परिणाम है. स्वामी विवेकानन्द जी ने कहा- Do Not For A Moment Quail. Everything Will Come To All Right . It is Will That Moves The World. दुढ़ इच्छा शक्ति रहे तो मानव नगण्य से भी सब कुछ पैदा कर सकता है. आज हम चर्चा करेगें एक अपाहिज, अनपढ व्यक्ति (थॉमस ए०एडीसन) की. जिसने अपनी दृढ़ इच्छा शक्ति के कारण अपने आविष्कारों से मानवता का कल्याण किया थॉमस ए० एडीसन ने स्कूलों से बहुत कम ज्ञान प्राप्त किया क्योंकि उनके अध्यापकों ने उन्हें एक अयोग्य बालक कहते हुए स्कूल से बाहर निकाल दिया. एडीसन बचपन से ही रेलगाड़ियों में मिठाइयाँ बेचने के लिए फेरी लगाया करते थे. एक दिन एक व्यक्ति ने उन्हें कानों से पकड़कर रेलगाड़ी से बाहर फेंक दिया जिसके कारण उनकी सुनने की शक्ति समाप्त हो गयी. अगर एड़ीसन इस घटना को जीवन भर याद करते रहते तो वे कुछ भी नहीं कर पाते. क्या आप जानते हो कि हमारे घरों में जो बिजली जलती है? यह सब एड़ीसन की देन है उन्होंने अपने जीवन में अनेकों आविष्कार किए जिससे कि मानव समाज का जीवन उन्नत और सखी हो सके.एडीसन की सफलता का कारण है कि उन्होंने भूतकाल के दरवा. जे बन्द कर दिये और अपनी अंतरात्मा की आवाज को सना उन्होंने अपने जीवन की सफलता का निष्कर्ष निकाला और मानव समाज को सफल होने का उपाय बताया कि ''यदि तुम अपने जीवन मे सफलता प्राप्त करना चाहते हो तो धैर्य को अपना घनिष्ठ मित्र, अनुभव को अपना बुद्धिमान परामर्शदाता और सावधानी को अपना बड़ा भाई बना लो और आशा को अपनी संरक्षक प्रतिमा''. एडीसन के जीवन से प्रेरणा लेकर अपने दुर्भाग्य को सौभाग्य में और असफलता को सफलता में बदल सकते हैं और कामयाबी की नई बुर्लीदयों को चूम सकते हो.अन्त में मै यही कहुँगा जिसने आशा का दीपक जला रखाँ है उसके पास उदासी का अंधेरा नहीं आ सकता.

बलराम कुमार सैनी, Mob- 09304956847.

# **INVITES** FRANCHISEE, PCD

3rd Party Manufacturing with new Combinations

IN ALL OVER INDIA

HIMONT AL TABLETS HIMONT FX TABLETS

#### for any queries contact us

Astopic Lifesciences

SCF 247, IInd Floor, M, Market, Manimajra Chandigarh (U.T.)-160101 E-mail:- astopiclifesciences@gmail.com website: www.astopiclifesciences.com M: +91 90234-50664, Ph: 0172-4676750

Regional Officer : 120 H/NO. 949, Nagrik Gruh Nirman Sahakari Sanstha Sonba Nagar(Maharashtra)-440023 Mobile +91-7774007053

#### COVID-19 क्रोनिक किडनी रोगियों में पेरिटोनियल डायलिसिस को बढावा देता है

गैर-संचारी रोगों के रोगियों पर महामारी का बुरा प्रभाव पड़ा, जिसमें गुर्दे से संबंधित बीमारियां शामिल हैं। कई डायलिसिस रोगियों ने हेमोडायलिसिस के बजाय पेरिटोनियल डायलिसिस को

COVID-19 क्रोनिक किडनी रोगियों में पेरिटोनियल डायलिसिस को बढ़ावा देता है लगभग 20 लाख किडनी रोग के रोगी भारत में हैं, जिन्हें हर साल लगभग 34 मिलियन डायलिसिस सत्रों की आवश्यकता होती है। मधुमेह और गुर्दे की बीमारियों के रोगियों का जीवन महामारी के कारण अस्त-व्यस्त हो गया है, विशेष रूप से हेमोडायलिसिस के रोगियों को डायलिसिस के लिए अक्सर अस्पतालों का दौरा करना पड़ता है, उनमें से अधिकांश पेरिटोनियल डायलिसिस का विकल्प चुन रहे हैं, डॉक्टरों को सूचित करें। हाल ही में एक किडनी इंटरनेशनल रिपोर्ट के अनुसार, किडनी रोग के रोगियों की देखभाल पर लॉकडाउन के प्रभाव को निर्धारित करने के लिए एक सर्वेक्षण किया गया था। लगभग ७१० (२८. २ प्रतिशत) रोगियों ने एक या अधिक डायलिसिस सत्रों को याद किया, ६९ (२.७४ प्रतिशत) को आपातकालीन डायलिसिस सत्रों की आवश्यकता थी, १०४ (४.१३ प्रतिशत) ने डायलिसिस के लिए रिपोर्ट करना बंद कर दिया, और ९ (०.३६ प्रतिशत) की मृत्यु की पुष्टि की गई। सर्वेक्षण किए गए अस्पतालों में आउट पेशेंट उपस्थिति में 92.3 प्रतिशत की कमी आई, और रोगी सेवा में 61 प्रतिशत की कमी आई। टेली-परामर्श शुरू किया गया था, लेकिन केवल कुछ ही रोगियों द्वारा इसका उपयोग किया गया था। डॉक्टरों ने संकेत दिया कि महामारी की दूसरी लहर का बुरा प्रभाव पड़ा जो कि गैर-संचारी रोगों के रोगियों की देखभाल पर देखा जाता है, जिनमें गुर्दे से संबंधित बीमारियों से पीड़ित लोग भी शामिल हैं। कई रोगियों का अब घर-आधारित पेरिटोनियल डायलिसिस (पीडी) के साथ इलाज हो रहा है - आपके रक्त से अपशिष्ट उत्पादों को हटाने का एक तरीका जब आपके गुर्दे पर्याप्त रूप से काम नहीं कर सकते हैं। हेमोडायलिसिस नामक अधिक सामान्य रक्त-फिल्टरिंग प्रक्रिया की तुलना में यह प्रक्रिया रक्त को



Protein Powders Order book Dry Syrups Reminder Cards Catch covers Soaps Ointments and Gels Product Literatures

**Marketing and Distribution** Rights for financially sound background having pharma selling experience. Parties are welcome in unrepresented areas on monopoly rights only.

#### CALL TODAY +91 9897 688 009

**EliXíri** 

A-60, Basement, Transport Nagar, Dehradun 248002 Uttarakhand Mob 98976 88009 email: elixiriopharma@gmail.com

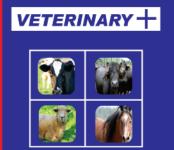


Email.: info@farmahub.in|farmahub@gmail.com

#### Star Health files IPO papers with Sebi

New Delhi: Star Health and Allied Insurance Company has filed preliminary papers with capital markets regulator Sebi to raise funds through an initial share sale. The initial public offer (IPO) comprises a fresh issue of equity shares worth Rs 2,000 crore and an offer for sale of up to 60,104,677 equity shares by promoters and existing shareholders, according to the draft red herring prospectus (DRHP). Those offering shares through the offer for sale are promoter and promoter group --Safecrop Investments India LLP, Konark Trust, MMPL Trust-- and existing investors-- Apis Growth 6 Ltd, Mio IV Star, University of Notre Dame Du Lac, Mio Star, ROC Capital Pty Ltd, Venkatasamy Jagannathan, Sai Satish, and Berjis Minoo Desai. The public offer includes a reservation for eligible employees. Proceeds from the fresh issue would be used to augment the company's capital base. Star Health, a leading private health insurer in the country, is owned by a consortium of investors like Capital and Westbridge Jhunjhunwala. At present, SBI Life Insurance Company, HDFC Life Insurance Company, ICICI Prudential Life Insurance Company, and ICICI Lombard General Insurance Company are the few insurance companies that are listed on the stock exchanges. Kotak Mahindra Capital Company, Axis Capital, BofA Securities India, Citigroup Global Markets India, ICICI Securities, CLSA India, Credit Suisse Securities (India) Private Limited, Jefferies India, Ambit, DAM Capital Advisors, and IIFL Securities are the merchant bankers to the issue. The equity shares of the company will





TABLETS/CAPSULES/BOLUS (Beta/Non-Beta)

एक अलग तरीके से फिल्टर करती है।

- LIQUIDIDRY ORALS
- **ORAL POWDERS**
- OINTMENTS/CREAMS/SOLUTIONS/ LOTIONS/DUSTING POWDERS
- MOUTHWASH/SHAMPOO/PROTEIN POWDER
- **INJECTABLES**

ECTOPARASITICIDALS (FLUMETHRIN. **DELTAMETHRIN, CYPERMETHRIN, AMITRAZ Etc.)** 

#### AYURVEDIC PREPARATIONS

Trade Enquiries Please Contact: FOR FRANCHISEE/PCD 099960-19744. 078762-20222. 094160-32336. 09896063336 FOR THIRD PARTY: 099960-19744. 89300-63336. 78762-20222.



#### GRAMPUS LABORATORIES

Mfg. Unit: Johron, Near Industrial Area, Kala Amb.(H.P) Email-id: sales.grampus@gmail.com Web Site: www.grampuslaboratories.com

be listed on the BSE and NSE

caldarpan.com

www.med





घर पर रहें, सुरक्षित रहें. "समयानुसार बुरे दिन तो निकल जाते हैं पर वे अपनी पहचान छोड़ जाते हैं:''



- \* GMP and SCHEDULE M Certified Unit
- \* WHO MANUFACTURING PLANT
- \* ISO 9001:2015 Certification

PLUSINDIA Group one among 5000 Best MSME IN 2017 & Business Excellence Award Winner in 2018.

Web site: www.plusindia.in Ph: 9440894154/9885500050 E-mail: plusindia2003@yahoo.co.in, plusindia2003@gmail.com

#### कविता

पतझड़ के बाद पतझड़ के बाद आती है बसंत! दुख दर्द हो कितना भी लंबा होता है आखिर उसका अंत! जो कल तक समझे जाते थे शैतान आज बने हैं बहुत बड़े संत! कालिदास और बाल्मीकि को भूल ना जाना! उन्होंने अपने लेखों द्वारा बदल दिया जमाना! प्रभु की माया बड़ी ही अनंत! जो करते हैं दान और पुण्य कहलाते हैं वही प्रतापी यशवंत! जो होते हैं दुनिया में संस्कारवान कहता जगत उन्हें ही कुलवंत। बिगड़े काम बनाएगा वही ऊपर बैठा है जो सर्वज्ञ भगवंत।

प्रो॰ शामलाल कौशल

रोहतक, हरियाण

With Best Compliments From Xenon Pharma Pvt. Ltd.



For PCD Franchise & Distribution Marketing



- Achieving Customer Satisfaction is Fundamental to our Business, As we provide latest molecules with highest quality standards
- We also Provide Scientific Data, Promotional Inputs & Gift Articles For Ethical Working and Better Promotion
- Our most of the Brands are with Registered Trademark & some molecules are first time in India.
- Assurance of Timely Delivery, High Quality & Cost Effective Product Range
- Competitive Rates and MRPs as per DCGI Norms



Third Party Manufacturing Proposals are also invited

#### WHO launches List of Priority Medical Devices for Management of Cardiovascular Diseases and Diabetes

The WHO List of Priority Medical Devices for management of cardiovascular diseases and diabetes, released today, will help policy-makers and healthcare providers prioritize the selection and procurement of medical devices for these health conditions. It includes more than 500 devices that are required at all levels of the health system, from primary care facilities to highly specialized hospitals, and devices needed for health emergencies such as cardiac arrest, stroke and hypo or hyperglycemic emergencies. The new List provides clinical guidelines for specific conditions, describes the relevant interventions required (e.g. hospitalization, cardiac surgery, intensive care, laboratory testing and medical imaging) and subsequently lists all the medical equipment required such as surgical instrument sets, personal protective equipment, and diagnostic and treatment devices. The ultimate aim of this new List is to help healthcare providers implement interventions that are essential for the detection and management of heart conditions and diabetes across the continuum of care, leading to fewer hospitalizations and deaths and the saving of precious health resources. Non-communicable diseases (NCDs) -

which include cardiovascular diseases and diabetes - represent 74% of global annual deaths and are responsible for more than 15 million people dying premaeach year between the ages of 30 and 69. Low- and middle-income countries bear 85% of the burden of these premature deaths, largely because they lack the testing and monitoring equipment needed to screen for, diagnose and treat NCDs. Along with the List, WHO has developed MeDevIS, a medical devices information system and clearing house where biomedical engineers, public policy-makers and hospital managers can find more information on specific medical devices, their use and how to look after them. The site currently lists 1500 devices and will continue to be updated for other diseases and health conditions. The list released today is part of a series of lists prioritizing devices for high-burden diseases, including cancer and COVID-19. These lists are based on the best available evidence about the essential medical devices countries need to prevent, diagnose and treat disease. They should be adapted to national contexts and used to update or develop national lists. Ultimately, the lists are meant to help countries increase the availability and appropriate use of medical devices and to promote access to better quality health services. The full set of lists are the global reference for countries to develop or update their national lists for public procurement and reimbursement of devices for screening, diagnosis and treatment of disease. They also help them to ensure value for money and ultimately to increase access.





#### भारत के पहले बर्ड फ्लू से एम्स-दिल्ली में मौत की सचना

नई दिल्ली: भारत ने बर्ड फ्लू के कारण मानव मृत्यु का पहला मामला दर्ज किया है, जो मुख्य रूप से पक्षियों को प्रभावित करने वाले इन्फ्लूएंजा वायरस का तनाव है। एम्स में भर्ती 11 वर्षीय एक लड़के की बर्ड फ्लू से मौत की पुष्टि हुई थी। संपर्क ट्रेसिंग उन लोगों की पहचान करने के लिए की जा रही है जो लड़के के साथ निकटता में रहे होंगे। सूत्रों ने टीओआई को बताया कि हरियाणा निवासी को तेज बुखार और खांसी के साथ एम्स में भर्ती कराया गया था। अस्पताल के एक सूत्र ने कहा, हमें लगा कि उसे कोविड -19 है। लेकिन जब परीक्षण नकारात्मक साबित हुए, तो ओंगे की जांच ने स्थापित किया कि लड़का एवियन या पक्षी मूल के इन्फ्लएंजा वायरस के कारण होने वाले संक्रमण से पीड़ित था। भारत ने पिछले 15 वर्षों में एवियन इन्फ्लूएंजा के कई प्रकोपों का अनुभव किया है, जो मुख्य रूप से कुक्कुट को प्रभावित करता है। हालांकि, बीमारी के कारण मानव मृत्यु का कोई ज्ञात मामला सामने नहीं आया है। आश्चर्य नहीं कि सार्वजनिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ विकास से चिंतित हैं। डॉक्स, परिवार के सदस्य अलगाव में सूत्रों ने कहा कि नेशनल सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल ख्र महामारी को नियंत्रित करने और कम करेने के लिए देश की अग्रणी एजेंसी ख्र मृतक लड़के के संपर्क में आने वाले किसी भी व्यक्ति के संपर्क का पता लगाने के लिए रोपित किया गया है। लड़के के इलाज में शामिल डॉक्टरों, नर्सों और स्वास्थ्य कर्मियों को खुद को अलग रखने और गले में खराश, छींकने और नाक बहने जैसे लक्षणों की रिपोर्ट करने की सलाह दी गई है। इन्फ्लुएंजा वायरस के तनाव की पृष्टि करने के भी प्रयास किए जा रहे हैं। एम्स के एक डॉक्टर ने कहा, ष्वायरस के कई प्रकार होते हैं और कुछ में हल्के लक्षण हो सकते हैं, जबिक अन्य घातक होते हैं। एनसीडीसी इन्फ्लूएंजा वायरस के तनाव का पता लगाने की कोशिश कर रहा है जिससे मौत हुई। डॉक्टर ने कहाँ कि बर्ड फ्लू मनुष्यों में दुर्लभ था लेकिन अगर यह किसी को प्रभावित करता है, तो मृत्यु का खतरा बहुत अधिक होता है। अध्ययनों से पता चलता है कि मनुष्यों में बर्ड फ्लू की मृत्यु दर 60% तक है, उन्होंने कहा। डॉक्स, परिवार के सदस्य अलगाव में सूत्रों ने कहा कि नेशनल सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल ख्र महामारी को नियंत्रित करने और कम करने के लिए देश की अग्रणी एजेंसी ख्र मृतक लड़के के संपर्क में आने वाले किसी भी व्यक्ति के संपर्क का पता लगाने के लिए रोपित किया गया है। लडके के इलाज में शामिल डॉक्टरों, नर्सों और स्वास्थ्य कर्मियों को खुद को अलग रखने और गले में खराश, छींकने और नाक बहने जैसे लक्षणों की रिपोर्ट करने की सलाह दी गई है। इन्फ्लूएंजा वायरस के तनाव की पुष्टि करने के भी प्रयास किए जा रहे हैं। एम्स के एक डॉक्टर ने कहा, ष्वायरस के कई प्रकार होते हैं और कुछ में हल्के लक्षण हो सकते हैं, जबिक अन्य घातक होते हैं। एनसीडीसी इन्फ्ल्एंजा वायरस के तनाव का पता लगाने की कोशिश कर रहा है जिससे मौत हुई। डॉक्टर ने कहा कि बर्ड फ्लू मनुष्यों में दुर्लभ था लेकिन अगर यह किसी को प्रभावित करता है, तो मृत्यु का खतरा बहुत अधिक होता है। अध्ययनों से पता चलता है कि मनुष्यों में बर्ड फ्लू की मृत्यु दर 60% तक है, उन्होंने कहा।

#### फार्मा पीएलआई योजना में 6 वर्षों में 1.96 लाख करोड रुपये की निर्यात क्षमता है: मंडावियांअप

**नई दिल्ली,** फार्मास्युटिकल उत्पादों के लिए उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना (पीएलआई) में छह वर्षों की अवधि में 1,96,000 करोड़ रुपये की निर्यात उत्पादन क्षमता है। , संसद को मंगलवार को सचित किया गया था। सरकार ने इस साल 24 फरवरी को फार्मोस्यूटिकल्स के लिए पीएलआई योजना को मंजूरी दी थी। रसायन और उर्वरक मंत्री मनसुख मंडाविया ने एक में कहा. 'योजना ने योजना के तहत सभी तीन श्रेणियों के उत्पादों में छह साल की अवधि में 1,96,000 करोड़ रुपये की निर्यात क्षमता का अनुमान लगाया है, जिसमें उच्च मूल्य के उत्पाद भी शामिल हैं।' लोकसभा को लिखित जवाब। उन्होंने कहा कि पीएलआई योजना ने लगभग 15,000 करोड़ रुपये की निवेश क्षमता और 20,000 प्रत्यक्ष और 80,000 अप्रत्यक्ष नौकरियों की रोजगार क्षमता का अनुमान लगाया है, जो इस योजना की अवधि में क्षेत्र में वृद्धि के परिणामस्वरूप है।

#### कोरिया का जैव दवा निर्यात विश्व में 7वें स्थान पर है

विशेष रूप से, यह विश्लेषण किया गया है कि निर्यात प्रतिस्पर्धात्मकता के सूचकांक में COVID-19 के प्रकोप के बाद से काफी सुधार हुआ है, और अमेरिका, यूरोपीय संघ, चीन और जापान जैसे प्रमुख प्रतिस्पर्धियों को पीछे छोड दिया है।

सियोलः कोरिया का बायो फार्मास्युटिकल निर्यात पिछले साल दुनिया में 9वें से बढ़कर 7वें स्थान पर पहुंच गया। चूंकि अमेरिका और यूरोपीय संघ जैसे प्रमुख देशों में COVID-19 महामारी के दौरान आवश्यक दवाओं की एक स्थिर आपूर्ति श्रृंखला स्थापित करना महत्वपूर्ण है, इसलिए यह विश्लेषण किया जाता है कि वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला पुनर्गठन के अवसरों का सिक्रय रूप से उपयोग किया जाना चाहिए।

कोरिया इंटरनेशनल टेड एसोसिएशन (केआईटीए) के कोरिया इंटरनेशनल ट्रेड रिसर्च इंस्टीट्यूट (केआईटीआरआई) द्वारा सोमवार को जारी एक रिपोर्ट के अनुसार, कोरिया के जैव दवा निर्यात में साल-दर-साल 139.1 प्रतिशत की वृद्धि हुई और प्रसार के बावजूद 5.1 बिलियन डॉलर दर्ज किया गया। निर्यात रैंकिंग भी दो पायदान ऊपर नौवें से सातवें स्थान पर पहुंच गई।

#### **Aragen Announces** Partnership with Skyhawk Therapeutics, Aimed at Developing Novel **Small Molecule** Therapeutics that **Correct RNA Expression.**

Hyderabad, India: Aragen Life Sciences (formerly, GVK BIO), a leading Contract Researchand Development Organization (CRDO), headquartered out of Hyderabad, India, announced that it has been selected by Skyhawk Therapeutics, a leader in the development of small molecule therapeutics that correct RNA expression, as its partner in India. Through this collaboration, Aragen will provide Skyhawk with various discovery chemistry and biology servicesolutions. This partnership is focused on accelerating Skyhawk's research pipeline. "We are delighted tohave been selected by Skyhawk Therapeutics as its Partner in India. At Aragen, we believe thatin every molecule is the possibility for better health.It is with this spirit that we look forward toleveraging Aragen's 20 years of discovery research expertise to help Skyhawk advance thedevelopmentofitsnovelsmallmoleculetherapeuticstargetingsome ofthe world's mostintractablediseases.", Manni Kantipudi, CEO of Aragen.

#### **About Aragen Life Sciences**

Aragen Life Sciences Pvt Ltd (Aragen) is a global leader in providing discovery, development andmanufacturing solutions for life sciences firms. With a team of over 3100 professionals, andthrough a network of sites around the world, we offer a seamless, integrated platform toadvance customer programs from discovery through commercialization for both smallmoleculesandbiologics. Establishedin 2001, Aragen now serves over 450 customers world widea cross multiple modalitie sandtherapeutic areas.

**Foram Swar Media Medic Communications** 9221879147 foram.mediamedic@gmail.com



#### Gaining Weight This Monsoon? Try These Tips To Stay Healthy

People across the country are enjoying the monsoon season. The onslaught of rains has also increased our craving for lip-smacking foods such as pakoras, samosas, and other delicacies. We need to be careful, too much oilbased foods can also lead to substantial weight gain during the season. But there are some tips which can help you control your weight during the monsoon.

Green tea:- To keep a tab on your health, skip the traditional milk tea in the morning and instead opt for green tea or lemon tea. The alternatives increase your metabolism and lower your body weight. You can have low-calorie cookies with your green tea or lemon tea.

Choose your breakfast carefully:-You should consider having healthier breakfasts and not focus on consuming too much calories in the morning. Low fat milk with sprouted grains are one of the options for your morning needs.

Seasonal food:- It is important to include seasonal vegetables in your diet, however, it will be better if you consume them as salads instead of roasting or frying them. If you don't want the salad or boiling option, you can cook them properly in less oil.

**Light dinner:-** This is a no-brainer. Almost everyone knows the importance of having a light dinner. The heavier the night food will be, more are the chances of attracting health related issues. You can include veg soup, mixed veg and moong dal in your dinner. However, it is important to have your dinner at least two to three hours before sleeping.

Soaked almonds:- Eating soaked almonds with an empty stomach keeps you healthy and controls your weight. Soaked almonds do not increase body fat.

Fruits:- Eating a banana is said to control your fast food craving. Seasonal fruits such as watermelon. mango and papaya always come in handy when you need to snack.

#### COVID-19 के प्रबंधन के लिए एंटीबॉडी को आगे बढ़ाने के लिए बायोकॉन बायोलॉजिक्स ने एडैगियो के साथ साझेदारी की

बायोकॉन बायोलॉजिक्स भारत के लिए एक व्यापक रूप से तटस्थ एंटीबॉडी का निर्माण और व्यावसायीकरण करने के लिए और उभरते बाजारों का चयन करें. बायोकॉन बायोलॉजिक्स ने कोविड-19 के प्रबंधन के लिए एंटीबॉडी को आगे बढ़ाने के लिए एडैजियो के साथ साझेदारी की बेंगलुरु, भारत 26 जुलाई, 2021: बायोकॉन बायोलॉजिक्स लिमिटेड, एक पूरी तरह से एकीकृत बायोसिमिलर कंपनी और बायोकॉन लिमिटेड की एक सहायक कंपनी ने आज घोषणा की कि अमेरिका स्थित एडैगियो थेरेप्यूटिक्स ने एक विशेष प्रदान किया है। बायोकॉन बायोलॉजिक्स को भारत और चुनिंदा उभरते बाजारों के लिए एडीजी20 पर आधारित एंटीबॉडी उपचार के निर्माण और व्यावसायीकरण के लिए लाइसेंस। ADG20, SARS-CoV-2 और संबंधित कोरोनिवर्यूज के स्पाइक प्रोटीन को लक्षित करने वाला एक उपन्यास मोनोक्लोनल एंटीबॉडी, Adagio द्वारा COVID-19 के उपचार और रोकथाम दोनों के लिए एकल एजेंट के रूप में वैश्विक नैदानिक विकास में है। प्रारंभिक आंकड़ों से संकेत मिलता है कि ADG20, Adagio का प्रमुख नैदानिक विकास उम्मीदवार, एक वर्ष तक के लिए COVID-19 के खिलाफ तीव्र और टिकाऊ सुरक्षा प्रदान कर सकता है। यह इसे संक्रमणों को रोकने के लिए एक आदर्श एजेंट बना सकता है और COVID-19 से संबंधित अस्पताल में भर्ती होने और मृत्यु को काफी कम कर सकता है। डेल्टा वेरिएंट सिहत प्रतिरोधी वेरिएंट को संबोधित करने की अपनी क्षमता के साथ, और आउट पेशेंट सेटिंग में एकल, इंट्रामस्क्युलर इंजेक्शन के रूप में आसानी से प्रशासित होने की क्षमता के साथ, ADG20 विशिष्ट रूप से COVID के लिए एक प्रभावी, सुरक्षित और सुविधाजनक चिकित्सा की वर्तमान आवश्यकता को पूरा करने के लिए तैयार है।

Inspiring & conceptualising Innovation



Bry Syrup. Dusting Powder

- L-Glutathione & Combination Tablet/Softgel
- S-Adenosyl L-Methioonine Tablets
  - Thiocolchicoside & Combination Tablets/Capsules Cefixime & Ofloxacin Tablets
- Cefpodoxime Tablets
- Iron/Multivitamin/Vitamin D3/Immunity Booster
- azole/Clatrimazole/Terbinafine/Serticonazol
- e Dusting Powder Ursodeoxycholic acid 150/300 mg Tablet

- Progesterone 100/200/300/400 mg Soft Gelatin
- Clotrimazole, Tinidazole & Clindamycin Kit Voglibose, Metformin & Piaglitazone Tablets
- Pre-Pro Biotic Capsules Isotretionoin 5/10/20/30/40 Soft Gelatin

- Corporate Office: SCO-165, Top Floor, Sec 38 C, Chandigarh Email: abhinav@dmpharma.org, manager@alainapharma.com Manufacturing Unit: NH-21, Vill-Bhud, Baddi, Distt-Solan(H.P)







- CCM, Vitamin D3 & Polic Acid Tablets Omega 3 fatly Acids, Amino Acids, Ginseng Extract, Ginkgo Biloba Extract & Combination(Rewind 5G Plus Formula)
- Rosehips extract, Collagen Hydrosylate, Sodium Hyaluranate, Basewela Serata, Curcumin, Zinc, Selenium & Manganese (Nice

- Voriconazale 200 mg Tablets Ethinylestradial & CombinationTablets
- Keloconazale Shampoo Clindamycin & Nicotinamide Gel

- Salmon Fish Oil 500/1000 Soft Gelatin Capsule

- Pregabalin & Methylcobalamin Capsule Milepristone & Misoprostol Tablet Camphor, Chlorthymal, Menthol & Terpineol Soft Gelatin



#### तुलसी 101- शक्ति स्वास्थ्य के लिए एक जादुई सामग्री!

तुलसी के पत्ते खाने के क्या फायदे हैं?



क्या आप तुलसी के लाभों और दुष्प्रभावों के बारे में अनिश्चित हैं? तुलसी को हिंदी में 'तुलसी' के रूप में जाना जाता है। भारतीय इसे अपनी पवित्र मान्यताओं के एक हिस्से के रूप में एक इनडोर पौधे के रूप में लगाते हैं और इसकी पूजा करते हैं। यह सभी शास्त्रीय घरेलू तैयारियों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।

तुलसी या तुलसी लोकप्रिय रूप से पवित्र जड़ी बूटी के रूप में जानी जाती है। यह कई स्वास्थ्य अनुप्रयोगों में बहुत फायदेमंद है और कई भयानक बीमारियों से सुरक्षा सुनिश्चित करता है। लोग इसे श्वसन और अन्य त्वचा रोगों के उपचार का एक हिस्सा मानते हैं। आम बीमारियों के अलावा, इन छुट्टियों को खाने के फायदे ट्यूमर और कैंसर के नियंत्रण तक भी फैले हुए हैं। कुछ अध्ययनों से यह भी पता चलता है कि यह एक बहुत ही कुशल प्रतिरक्षा न्यूनाधिक, कैंसर विरोधी और सुरक्षात्मक एजेंट हो सकता है। शीर्ष तुलसी के पत्तीं के फायदे! नीचे बताए गए तुलसी के कई फायदे हैं:

1. स्वस्थ हृदय में सहायक- तुलसी के पत्तों में यूजेनॉल और विटामिन सी जैसे आवश्यक् एंटीऑक्सीडेंट होते हैं। यह हृदय की भयानक समस्याओं और यहां तक कि मुक्त कणों के प्रभाव से भी बचाता है। रक्त में कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करने में यूजेनॉल की मात्रा भी फायदेमंद होती है।

2. बुढ़ापा रोधी- तुलसी के स्वास्थ्य लाभ बुढ़ापा रोधी प्रभावों तक भी विस्तारित होते हैं। तुलसी में मौजूद फाइटोन्यूट्रिएंट्स विटामिन सी और ए बेहतरीन एंटीऑक्सीडेंट हैं। वे मुक्त कणों के कारण होने वाली त्वचा की क्षति से पूर्ण सुरक्षा प्रदान करते हैं।

3. किडनी स्टोन को ठीक करता है- यह एक शानदार डिटॉक्सिफाइंग एजेंट और हल्का मूत्रवर्धक भी है जो आपके शरीर में यरिक एसिड के स्तर को कम करता है। तुलसी की एसिटिक एसिड सामग्री गुर्दे की पथरी के टूटने को नियंत्रित करने में मदद करती हैं।

4. सिरदर्द से राहत देता है- तुलसी के औषधीय उपयोगों में इसे सिरदर्द के प्राकृतिक राहत के रूप में भी शामिल किया गया है। यह माइग्रेन के दर्द को भी ठीक करने में मदद

5. मुंहासों से लड़ता है- तुलसी हानिकारक संक्रमणों और

बैक्टीरिया को भी मारती है। इसके तेल का सिक्रय यौगिक यूजेनॉल तेल है। यह सभी प्रकार के त्वचा संबंधी विकारा. से प्रभावी रूप से लड़ता है। यह आंतरिक और बाहरी दोनों तरह के त्वचा संक्रमणों के उपचार में सहायता करता है। 6. बुखार को ठीक करता है- सिदयों से तुलसी के स्वास्थ्य लाभ प्रमुख रहे हैं, और यह बुखार के इलाज के लिए एक

प्रसिद्ध घटक है। यह एक प्राथमिक घटक है जो विभिन्न घरेलू उपचार और आयुर्वेदिक दवाओं के निर्माण में मदद करता है।

7. आंखों की सेहत- तुलसी में कई तरह के सूजनरोधी गुण भी होते हैं। यह फंगल, बैक्टीरियल और वायरल संक्रमण की रोकथाम करके बेहतर नेत्र स्वास्थ्य प्रदान करता है।

तुलसी का नियमित सैवन तनाव के स्तर को भी कम करता है और यहां तक कि आंखों में सूजन को भी शांत करता है। अगर आप लैपटॉप या स्मार्टफोन पर लंबे समय तक काम करते हैं, तो तुलसी का सेवन आपकी आंखों के तनाव को कम कर सकता है।

8. मौखिक स्वास्थ्य-तुलसी के पत्तों को एक मौखिक कीटाणुनाशक या प्राकृतिक माउथ फ्रेशनर के रूप में जारी रखने के लिए लाभ मिलता है। तुलसी मुंह के छालों को ठीक करने में भी कारगर है। यह टैटार, दांतों की कैविटी, सांसों की दुर्गंध और कई अन्य समस्याओं की ओर ले जाने वाले बैक्टीरिया को नष्ट कर देता है।

9. श्वसन संबंधी विक. ारों को रोकता है-तुलसी एक जादुई जड़ी

बूटी है जिसमें सिनेओल, यूजेनॉल और कैम्फीन जैसे यौगिक भी शामिल हैं। यह श्वसन तंत्र से संबंधित सभी प्रकार के फंगल, बैक्टीरिया और वायरल संक्रमण का इलाज करता है। विभिन्न प्रकार के गंभीर श्वसन संबंधी मुद्दों जैसे तपेदिक और ब्रोंकाइटिस का भी नियमित उपयोग से इलाज किया जा

10. विद्यमिन ज्ञ से भरपूर- हिंदी में तुलसी, यानी तुलसी आवश्यक वसा में घुलनशील विटामिन का भी एक समृद्ध म्रोत है। ये विटामिन हृदय और हिड्डियों के स्वास्थ्य के प्रबंधन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

तुलसी या पवित्र तुलसी के बारे में महत्वपूर्ण तथ्य! तुलसी के स्वास्थ्य लाभों से परिचित होने के बाद, इसके गुणों और अन्य विशेषताओं के बारे में जानना अनिवार्य है। र्वे इस प्रकार हैं:

1. तुलसी एक हरी पत्तेदार और सुर्गोधत जड़ी बूटी है जिसकी उत्पत्ति एशिया और अफ्रीका में हुई है।

2. लोग इसे कई किस्मों में पा सकते हैं, लेकिन यह मुख्य रूप से पुदीना परिवार से संबंधित है।

3. यह जड़ी बूटी कई खाद्य पदार्थों में मसाला के रूप में भी महत्वपूर्ण हैं।

4. तुलसी और तुलसी के पत्तों का सुगंधित स्वाद चाय में एक आवश्यक घटक बनाता

5. तुलसी की एक अन्य किस्म मीठी तुलसी है। यह कई सुपरमार्केट में सूखे रूप में उपलब्ध है और इतालवी व्यंजनों में व्यापक रूप से उपयोग किया जाता है।

6. तुलसी के लाभ और दुष्प्रभाव भी काफी हद तक सेवन की मात्रा और खनिजों या विटामिन की मात्रा पर निर्भर करते हैं। 7. 2 ग्राम तुलसी तुलसी के अच्छे स्वास्थ्य लाभ प्रदान कर सकती है। अधिक मात्रा में तुलसी का सेवन करने के

दुष्परिणाम! इसमें कोई शक नहीं कि तुलसी के औषधीय उपयोग और तुलसी के स्वास्थ्य लाभ चमत्कारी हैं। क्या आप जानते हैं कि

तुलसी के साइड इफेक्ट

भी हो सकते हैं? हालांकि अच्छाई से भरपूर, तुलसी के फायदे और साइड इफेक्ट दोनों मौजूद हैं। कुछ लोग इन पत्तियों के सेवन से संभावित खतरों का अनुभव कर सकते हैं जैसे:

गर्भवती महिलाओं को तुलसी के पत्ते खाने के फायदे शायद लागू न हों। जड़ी बूटी के सेवन से कई मामलों में गर्भाशय के संकुचन हो सकते हैं। यह खतरनाक हो सकता है और यहां तक कि महिलाओं में गर्भपात का कारण भी बन सकता है। ये पत्तियां श्रोणि क्षेत्र और गर्भाशय की ओर रक्त प्रवाह को उत्तेजित कर सकती हैं।

2. मधुमेह रोगियों के लिए उपयुक्त- कुछ अध्ययनों से पता चलता है कि तुलसी रक्त शर्करा के स्तर को कम करने में भी प्रभावी है। तुलसी के पत्तों के अधिक सेवन से मधुमेह रोगियों को शुगर लेवल में गिरावट का सामना करना पड़ सकता है। 3. प्रजनन क्षमता को प्रभावित करता है- तुलसी के अत्यधिक सेवन से पुरुषों और महिलाओं दोनों पर नकारात्मक प्रभाव पड सकता है।

4. खून को पतला करने वाली दवाओं के काम में बाधा डालता है- इस जड़ी बूटी से भी खून पतला हो जाता है। यह उन लोगों के लिए एक अचूक उपाय के रूप में काम करता है जो ब्लड थिनर नहीं लेते हैं। हालांकि, बाद वाले को प्रतिकूल स्वास्थ्य स्थितियों का सामना करना पड़ सकता है।

5. दांतों पर दाग- क्या आप जानते हैं कि बुजुर्ग तुलसी के पत्तों को चबाने की बजाय निगलने की सलाह देते हैं? इन पत्तों में पारा होता है जो दांतों को चबाने पर दाग सकता है। दांता. के मिलनिकरण से बचने के लिए उन्हें निगलना बेहतर

तुलसी औषधीय उपयोग और अन्य लाभ!

क्या आप जानते हैं कि तुलसी के पत्ते कई प्रकार के होते हैं? वे हैं राम तुलसी, कृष्ण तुलसी और वन तुलसी। सामान्य तुलसी औषधीय उपयोग हैं:

1. तुलसी के स्वास्थ्य लाभों में विरोधी भडकाऊ और रोगाणुरोधी जैसे चिकित्सीय गण शामिल हैं। यह कार्डियोप्रोटेक्टिव भी है। 2. तुलसी के अन्य औषधीय गुणों में सर्दी और खांसी से तुरंत राहत शामिल है। इसमें एंटीमाइक्रोबियल और एंटी-एलर्जी गुण होते हैं जो खांसी को नियंत्रित करते हैं।

3. तुलसी शरीर के तनाव के स्तर को भी नियंत्रित करती है और समग्र ऊर्जा को बढ़ाती है।

4. इस जड़ी बूटी का सेवन तनाव, चिंता और थकान के इलाज

में मदद करता है। 5. इसमें कई हर्बल फॉर्मूलेशन हैं जो सर्दी, अस्थमा, फ्लू और

यहां तक कि ब्रोंकाइटिस के इलाज में मदद करते हैं। 6. मौसमी फ्लू को ठीक करने में भी तुलसी का रस फायदेमंद

होता है। नींबू का रस, काली मिर्च और अदरक जैसी सामग्री को मिलाकर लगाने से इन्फ्लूएंजा के लिए तुलसी के पत्ते खाने के फायदे बढ़ जाते हैं।

7. तुलसी के पत्ते का अर्क एंटीकॉन्वेलसेंट से भरपुर होता है। 8. तलसी के स्वास्थ्य लाभ को विभिन्न रूपों में मिलाना मददगार हो सकता है जैसे हर्बल चाय, कैप्सूल और पाउडर।

तुलसी के लाभों और दुष्प्रभावों में चिंता और अवसाद के स्तर की रिहाई भी शामिल है। तुलसी की खुराक कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करने में भी सहायक होती है क्योंकि इसमें एंटीऑक्सीडेंट गुण होते हैं। तुलसी जड़ी बूटी के विभिन्न फॉर्मूलेशन भी शरीर में यूरिक एसिड के स्तर को कम करते हैं। यह गुर्दे की पथरी से संबंधित समस्याओं के उपचार में मदद करता है। यह विभिन्न प्रकार के मुंह, फेफड़े, त्वचा और यकृत से जुड़े कैंसर से भी सुरक्षा प्रदान करता है।



1. गर्भवती महिलाओं को जरूर करना चाहिए परहेज-



#### First and only oral treatment for adults and children two months or older suffering from Spinal Muscular Atrophy (SMA), now in India

डिस्ट्रीब्यूटरशिप एवं फ्रेंचाइजी बेसिस पर माल बेचने के लिए सम्पर्क करें

Meerul : 7906111791 Modi Nagar : 9359616355, 8439312813 Aligarh : 8445359884 Hathras : 9997088697

Agra: 9457003100 Rampur: 9997400254 Ballabgarh: 8851944644, 9873235167

Email: tulsiayurvedss19@gmail.com Web: www.tulsiayurvedss.com

Available on : amazon.com

ad : 8285642433, 9873393374 Gurugram : 9910120154, 9818388460 Palwal : 9812262360

Mob:

edkar Nagar : 8318537105 Gorakhpur : 9839075681 Gazipur : 9450718928 Mau : 7275615220

Kolkata, India: Roche today announced the launch of EVTYSOI Evrysdi® (risdiplam),

नुलसी आयुर्वेद सेवा संस्थान

the first and only approved treatment in India for Spinal Muscular Atrophy (SMA) patients. Evrysdi® was first approved by the US FDA in August 2020 and is today available in India within 11 months of the US approval. Since its launch, over 4000 SMA patients across 50+ countries have benefitted from

Evrvsdi®. About SMA :- SMA is a severe, progressive rare neuromuscular disease that can be fatal. It affects approximately one in 10,000 live births globally1 and one in 7744 live births in India2 and is the leading genetic cause of infant mortality. SMA is caused by a mutation of the survival motor neuron 1 (SMN1) gene, which leads to a deficiency of SMN protein. This protein is found throughout the body and is essential to the function of nerves that control muscles and movement. Without it, nerve cells cannot function correctly, leading to muscle weakness over time. Depending on the type of SMA, an individual's physical strength and their ability to walk, eat or breathe can be significantly diminished or lost.

About Evrysdi® and global clinical trials :- Evrysdi® is administered daily at home orally (it is supplied as powder which is constituted into a liquid solution and taken once daily by mouth or feeding tube if required) and is designed to treat SMA by increasing production of the Survival Motor Neuron (SMN) protein. It is approved for the treatment of spinal muscular atrophy (SMA) in adults and children 2 months of age and older.

Evrysdi® is being studied in more than 450 people as part of the broadest, large and robust clinical trial program in SMA. The program included newborn infants to adults aged 60 years with varying symptoms and motor function, and is the only program that has included those that were previously treated for SMA with another medication.

**Customer Care** 

Evrysdi® was approved by Indian Health Authorities after reviewing its efficacy & safety data from three global clinical studies designed to represent a broad spectrum of people living with SMA:

1. FIREFISH3 in symptomatic infants aged 1 to 7 months with Type 1 SMA

2. SUNFISH3 in children and adults aged 2 to 25 years. SUN-FISH is the first and only placebo-controlled trial to include adults with Types 2 and 3 SMA. Evrysdi® showed clinically-meaningful improvements in motor function across these two clinical trials in people with varying ages and levels of disease severity, including Types 1, 2, and 3 SMA. Infants

achieved the ability to sit without support for at least 5 seconds, a key motor milestone not normally seen in the natural course of the disease. Evrysdi® also improved survival without permanent ventilation at 12 and 23 months, compared to natural history. Evrysdi maintained the ability to swallow and feed orally in the majority of the infants after 2 years of therapy. This is a unique characteristic of Evrysdi that was not observed with other medications for SMA.

3.JEWELFISH3 (interim data) is a study assessing people with any SMA type and disease severity who have previously been treated with other SMA targeted therapies between 6 months and 60 years. This study enrolled the broadest patient population ever studied in an SMA trial. Data from the JEW-ELFISH study, which included a diverse patient population with a high degree of motor impairment,

कछ किये बिना ही जय-जयकार नहीं होती, कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती. एक ईमानदार व्यक्ति की आँखें, झुठ को दूर से ही भांप लेती हैं, तथा यह आसानी से धोखा नहीं खा सकते.



show that Evrysdi® has a favorable safety profile in patients previously treated with other SMA targeting therapies. Evrysdi also showed to improve SMN protein levels to 2 fold and above in all the patients who have received a previous therapy.

#### Evrysdi's clinical development program also includes:

RAINBOWFISH3 is a study assessing pre-symptomatic infants with Type 1 SMA from birth to 6 weeks old. Preliminary efficacy data from RAINBOWFISH showed that infants treated for 12 months achieved age appropriate motor milestones within the WHO windows for healthy children, including sitting, standing and walking, and improvements in motor function. V Simpson Emmanuel, CEO and Managing Director, Roche Pharma India says, "The launch of Evrysdi® in India is a fine example of Roche living its purpose of 'Doing now what patients need next'. We are betting big on solving complex challenges related to rare diseases as we believe no patient should be deprived an opportunity to live a healthy life, however complex or rare the disease is. Today heralds a new journey of hope as we are all coming together to add color into lives of

SMA (गिलोय-तुलसी वटी) MMUNITY BOOSTER रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ायें एवं गैस, एसिडिटी से छुटकारा पाएं।

Enquires Welcome for Marketing & Distribution Right in Unrepresented Areas CONTACT FOR THIRD PARTY MANUFACTURING # 9811437733, 7500164848

Ayuşhman

#### patients

in India with the launch of Evrysdi®, the first and only approved treatment in India for patients living with SMA. This also marks our foray into rare disease treatment in India, he added."

Patient Support Program (PSP) to drive access. To ensure every patient gets access to this disease modifying therapy, Roche is announcing its Patient Support program (PSP) for Evrysdi®. Through this program:

• In the first two years of treatment, Roche provides three bottles free for every two bottles bought by the patient

From the third year onwards, Roche provides two bottles free for every one bottle bought by the patient

To provide a holistic solution to SMA patients and caregivers, we identified the most important challenges they face throughout their journey and have designed solutions to support them to mitigate those challenges. Through our PSP program, Roche will provide services like: Physiotherapy, Financial counselling, Psychosocial and Nutritional counselling to SMA patients. Patients and caregivers can reach out to us at 1800-202-4755 for information on the PSP program. Home delivery of Evrysdi®:- SMA patients have weak pulmonary health and find it difficult to visit a hospital to receive therapy, especially in COVID times. Moreover, motor disability adds to this burden and makes it very difficult for these patients and caregivers to travel to receive the drug. To solve this challenge, Roche will provide free home delivery of Evrysdi® to each and every patient following consent from the patient/ caregiver and their HCPs. Being the only oral medication for SMA that can be administered in a home setting, this facility will add tremendous convenience to both patients and their caregivers, especially the added challenge Covid-19 poses. Patients, caregivers and HCPs can reach out to us at 1800-202-4755 to know more about Evrysdi's availability and free home delivery.

"Given the majority of people with SMA in India remain untreated, we believe

Evrysdi, with its highly efficacious clinical profile and administration advantage, will offer meaningful benefits for many living with this rare neurological disease," said Dr. Bruno Jolain. Chief Medical Officer, Roche Pharma India. "Administration of Evrysdi requires no hospitalization, no anesthesia, no specialized

care center, no complex administration and no steroids. A simple oral administration gives SMA treating physicians and caregivers more control over their daily lives."

"Throughout their lives, many people with SMA may lose their ability to perform critical movements, which can impact the ability to independently participate in different aspects of daily life and even be life altering. SMA patients in India have long lived without a viable treatment option. We are today encouraged by the availability of an approved solution in India," said Alpana Sharma, Co-Founder & Director Patient Advocacy at CureSMA Foundation of India.

"The launch of Evrysdi in India is an eagerly awaited milestone for our community. We appreciate Roche's commitment in making this drug available in India soon after its

global launch and in developing a treatment that can be administered at home," said Archana Vashist Panda, Co-Founder & Director Patient Advocacy, CureSMA Foundation of India.

#### Roche Products (I) Pvt. Ltd.

Roche Products (India) Private Limited was incorporated in 1994 as a wholly owned subsidiary of the Roche Group, headquartered in Basel, Switzerland. Roche is the world's largest biotech company, with truly differentiated medicines in oncology, immunology, infectious diseases, ophthalmology and diseases of the central nervous system. For more than 60 years, Roche has been committed to making a difference to the lives of people in India. Today, Roche is the leader in oncology treatment in India; apart from cancer, Roche's has innovative medicines in other therapy areas too: transplantation, rheumatoid arthritis (RA), and chronic kidney disease (CKD)-related anaemia. Roche believes in making the latest and most innovative medicines accessible to patients in India in the fastest possible time. For more than 50 years. Roche has been developing medicines with the goal to redefine treatment in oncology. Today, Roche is investing more than ever in our effort to bring innovative treatment options that help a person's own immune system fight cancer. For more information on Roche Pharma India. We focus on improving the lives of patients and their families by ensuring that patients are diagnosed and treated with innovative solutions. We believe in going beyond providing our breakthrough and solutions commit to:

- Collaborate with all relevant stakeholders to strengthen healthcare systems and enable sustainable access to healthcare
- Transform India to become a benchmark for other emerging markets around the globe and improve the health of people beyond borders Create an environment with the highest standards of quality, safety

and integrity for the benefit of our

#### natients We live our values

Three values sustain our culture and further our quest to help people achieve good health and longevity: integrity, courage and passion. We aspire to embody these values in everything we do. Our Purpose

We believe it's urgent to deliver medical solutions right now – even as we develop innovations for the future. We are passionate about transforming patients' lives. We are courageous in both decision and action. And we believe that good business means a better world.

> Visit rocheindia.com - S. Rajan

**Chief Corporate Affairs and Communications Officer** Mobile: +91 9930109372 Email: rajan.s@roche.com







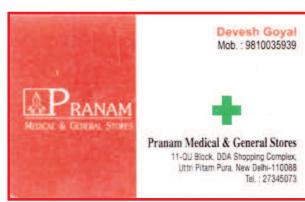






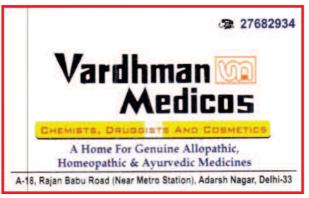






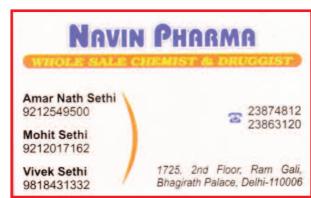


























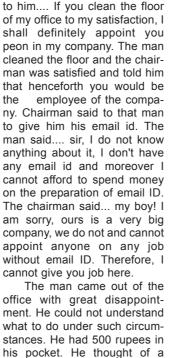
Short story Hard. Work. Pays



#### में घर बैठे ADR मंगवाऐं Contact: 9410434811, 9258906451, 9027175115 टोरेंट फार्मा Q1 परिणाम:

शुद्ध लाभ 2.8% बढ़कर 330 करोड़ रुपये नई दिल्ली: ड्रग फर्म टोरेंट फार्मास्युटिकल्स ने मंगलवार को जून में समाप्त तिमाही के लिए अपने समेकित शुद्ध लाभ में 2.8 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 330 करोड़ रुपये की सूचना दी। टोरेंट फार्मास्युटिकल्स ने एक नियामक फाइलिंग में कहा कि कंपनी ने पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में 321 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया था। विचाराधीन तिमाही के लिए कंपनी के परिचालन से समेकित राजस्व 2,134 करोड़ रुपये रहा। एक साल पहले इसी अवधि में यह 2,056 करोड़ रुपये था। टोरेंट फार्मा ने कहा कि भारत का राजस्व 1,093 करोड़ रुपये है, जो 30 जून, 2021 को समाप्त तिमाही में 18 प्रतिशत बढ़ा है।





There was a man. He was

hardly matriculate and was

very poor. He went to an office

and requested the chairman of

the big company to give him the

job of peon. The chairman said

his pocket. He thought of a plan. With this amount he purchased tomatoes and these tomatoes were sold within 2 hours. With 500 rupees he once again purchased tomatoes and they , too, were sold within 2 hours. With that amount he purchased tomatoes for the third time and they were also sold with in 2 hours. In the evening when he made all calculations, he found that his 500 rupees have increased to 1500 rupees. He did the same thing for some days. His income increased. Then he purchased a Rehri and started selling different vegetables by moving in different areas of the city. All this increased his income many folds. Now his economic condition became so satisfactory that he purchased three tempos and employed some persons to sell the vegetables on large scale. It further increased his income, then he purchased 3 trucks and became wholesale seller of different vegetables. He was considered to be a successful businessman. He purchased a big kothi and a car. His family enjoyed the the life with him. One day he called an agent of of life insurance company for the insurance of his kothi as well as his life. As the the agent was filling up the proforma, he asked the man about his email id. The man replied that he had no email ID. The agent said... sir, it is necessary to know about your email ID. Without it I cannot proceed, otherwise you have lost a golden chance to make progress in life. Email IDis most required in every matter. The man said... if I had email ID, I would still be working as a peon in that company. Then he narrated the whole story to that agent. After listening to him, the agent left the room.

If luck does not favour us at one place in some way, we should not feel disappointed. We should hope for the best. God opens some other gate of success for us as in the case of vegetable seller. Hard work is most important to be success-

**Professor Sham Lal Kaushal** Mobile 9416359045

#### AstraZeneca की दूसरी खुराक दुर्लभ रक्त के थक्कों का जोखिम नहीं बढाती: अध्ययन

एस्ट्राजेनेका द्वारा संचालित और वित्त पोषित अनुसंधान ने एंग्लो-स्वीडिश दवा निर्माता के वैश्विक सुरक्षा डेटाबेस का उपयोग करते हुए 30 अप्रैल तक पहली या दूसरी खुराक के प्रशासन के 14 दिनों के भीतर होने वाले मामलों का मूल्यांकन किया। एस्ट्राजेनेका के सीओवीआईडी -19 शॉट ने दूसरी खुराक के बाद लोगों में कम प्लेटलेट्स वाले दुर्लभ रक्त के थक्कों के मामलों में वृद्धि नहीं की, बुधवार को एक अध्ययन में दिखाया गया, संभावित रूप से टीके के दुष्प्रभावों पर कुछ चिंताओं को

लैंसेट मेडिकल जर्नल में प्रकाशित डेटा में पाया गया कि टीके की दूसरी खुराक के बाद थ्रोम्बोसाइटोपेनिया सिंड्रोम (टीटीएस) के साथ घनास्त्रता की अनुमानित दर टीका लगाए गए लोगों में 2.3 प्रति मिलियन थी, जो कि टीकाकरण नहीं किए गए लोगों में देखी गई विशिष्ट दर के बराबर है, एस्ट्राजेनेका कहा। पहली खुराक के बाद यह दर 8.1 थी।

एस्ट्राजेनेका के नेतृत्व और वित्त पोषित अनुसंधान ने एंग्लो-स्वीडिश दवा निर्माता के वैश्विक सुरक्षा डेटाबेस का उपयोग करते हुए 30 अप्रैल तक पहली या दूसरी खुराँक के प्रशासन के 14 दिनों के भीतर होने वाले मामलों का मूल्यांकन किया।

#### सरकारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल के 39 पूरी तरह से टीकाकरण वाले छात्र COVID -19 के लिए सकारात्मक परीक्षण करते हैं

अधिकारियों ने कहा कि 175 छात्रों का दूसरा जत्था 6 जून को आया था, जिनमें से उसी दिन सीओवीआईडी -19 के पहले मामले की पुष्टि हुई थी। जब मामले बढ़ने लगे, तो अधिकारियों ने 17 जुलाई को उस बैच के सभी छात्रों के लिए COVID परीक्षण किए। अस्पताल के एक अधिकारी ने पीटीआई को बताया, 6 जून से अब तक कुल 39 मेडिकल छात्रों ने सीओवीआईडी -19 के लिए सकारात्मक परीक्षण किया है। उन ने टीके की दो खुराक ली थी। कारात्मक परीक्षण करने को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अस्पताल के अधिकारियों ने कहा कि यहां के सरकारी मेडिकल अस्पताल के कम से कम 39 पूरी तरह से टीकाकरण वाले मेडिकल छात्रों ने सीओवीआईडी -19 के लिए सकारात्मक परीक्षण किया है। COVID-19 प्रेरित लॉकडाउन के कारण बंद हुए मेडिकल कॉलेज को फिर से खोल दिया गया और छात्रों के पहले बैच ने परिसर में वापस जाने की सूचना दी। अधिकारियों ने कहा कि 175 छात्रों का दूसरा जत्था आया था, जिनमें से उसी दिन सीओवीआईडी -19 के पहले मामले की पुष्टि हुई थी। जब मामले बढ़ने लगे, तो अधिकारियों ने उस बैच के सभी छात्रों के लिए COVID परीक्षण किए। उनमें से 20 के वायरस के लिए सकारात्मक परीक्षण के बाद उन्हें घर जाने की अनुमित दी गई थी। उन्होंने कहा कि छात्रों के तीन बैच परिसर में वापस रह रहे हैं क्योंकि उनकी परीक्षा चल रही है। इन बैचों के उन्नीस छात्रों ने COVID-19 के लिए सकारात्मक परीक्षण किया है। अस्पताल के एक अधिकारी ने पीटीआई को बताया. अब तक कुल 39 मेडिकल छात्रों ने सीओवीआईडी -19 के लिए सकारात्मक परीक्षण किया है। उन सभी ने टीके की दो खुराक ली थी। सकारात्मक परीक्षण करने वाले छात्रों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उन्हें विशेष रूप से व्यवस्थित कमरों में सिद्धांत परीक्षा के लिए उपस्थित होने की अनुमित दी गई है। उनके अलावा, मेडिकल कॉलेज परिसर में डेंटल कॉलेज के 17 छात्रों ने भी कोरोनावायरस के लिए सकारात्मक परीक्षण किया है, उन्होंने कहा।





E-mail: adhyapharmaceuticals@gmail.com

adhyaprinting@gmail.com





www.puremedbiotech.in, Email: puremedbiotech@gmail.com Contact Number:+91-93186-28899, +91-97367-01313



9358302336, 9536337036

Washington: The second dose of a COVID-19 vaccine induces a powerful boost to a part of the immune system that provides broad antiviral protection, according to a study led by investigators at the Stanford University School of Medicine. The findings published in the journal Nature strongly supports the view that the second shot should not be skipped. The study was designed to find out exactly what effects the vaccine, marketed by Pfizer Inc., has on the numerous components of the immune response. The researchers analyzed blood samples from individuals inoculated with the vaccine. They counted antibodies, measured levels of immune-signalling proteins and characterized the expression of every single gene in the genome of 242,479 separate immune cells' type and status. "Despite their outstanding efficacy, little is known about how exactly RNA vaccines work," said Bali Pulendran, PhD, professor of pathology and microbiology and immunology. "So we probed the immune response induced by one of them in exquisite detail." "The world's attention has recently been fixed on COVID-19 vaccines, particularly on the new RNA vaccines," said Pulendran, the Violetta L. Horton Professor II. He shares senior authorship of the study with Kari Nadeau, MD, PhD, the Naddisy Foundation Professor of Pediatric Food, Allergy, Immunology, and Asthma and professor of paediatrics, and Purvesh Khatri, PhD, associate professor of biomedical informatics and biomedical data science. The study's lead authors are Prabhu Arunachalam, PhD, a senior research scientist in Pulendran's lab; medical student Madeleine Scott, PhD, a graduate student in Khatri's lab; and Thomas Hagan, PhD, a former postdoctoral scholar in Pulendran's Stanford lab and now an assistant professor at the Yerkes National Primate Research Center in Atlanta. "This is the first time RNA vaccines have ever been given to humans, and we have no clue as to how they do what they do: offer 95% protection against COVID-19," said Pulendran. Traditionally, the chief immunological basis for approval of new vaccines has been their ability to induce neutralizing antibodies: individualized proteins, created by immune cells called B cells, that can tack themselves to a virus and block it from infecting cells. "Antibodies are easy to measure," Pulendran said. "But the immune system is much more complicated than that. Antibodies alone don't come close to fully reflecting its complexity and potential range of protection." Pulendran and his colleagues assessed goings-on among all the immune cell types influenced by the vaccine: their numbers, their activation levels, the genes they express and the proteins and metabolites they manufacture and secrete upon inoculation. One key immune-system component examined by Pulendran and his colleagues were T cells: search-and-destroy immune cells that don't attach themselves to viral particles as antibodies do but rather probe the body's tissues for cells bearing telltale signs of viral infections. On finding them, they tear those cells up. In addition, the innate immune system, an assortment of first-responder cells, is now understood to be of immense importance. It's the body's sixth sense, Pulendran said, whose constituent cells

are the first to become aware of a pathogen's presence. Although they're not good at distinguishing among separate pathogens, they secrete "starting gun" signalling proteins that launch the response of the adaptive immune system- the B and T cells that attack specific viral or bacterial species or strains. During the week or so it takes for the adaptive immune system to rev up, innate immune cells perform the mission-critical task of holding incipient infections at bay by gobbling up -- or firing noxious substances, albeit somewhat indiscriminately, at -- whatever looks like a pathogen to them. The Pfizer vaccine, like the one made by Moderna Inc., works quite differently from the classic vaccines composed of live or dead pathogens, individual proteins or carbohydrates that train the immune system to zero in on a particular microbe and wipe it out. The Pfizer and Moderna vaccines instead contain genetic recipes for manufacturing the spike protein that SARS-CoV-2, the virus that causes COVID-19, uses to latch on to cells it infects. In December 2020, Stanford Medicine began inoculating people with the Pfizer vaccine. This spurred Pulendran's desire to assemble a complete report card on the immune response to it. The team selected 56 healthy volunteers and drew blood samples from them at multiple time points preceding and following the first and second shots. The researchers found that the first shot increases SARS-CoV-2-specific antibody levels, as expected, but not nearly as much as the second shot does. The second shot also does things the first shot doesn't do. or barely does. "The second shot has powerful beneficial effects that far exceed those of the first shot," Pulendran said. "It stimulated a manifold increase in antibody levels, a terrific T-cell response that was absent after the first shot alone, and a strikingly enhanced innate immune response." Unexpectedly, Pulendran said, the vaccine -- particularly the second dose -caused the massive mobilization of a newly discovered group of first-responder cells that are normally scarce and quiescent. First identified in a recent vaccine study led by Pulendran, these cells- a small subset of generally abundant cells called monocytes that express high levels of antiviral genes -- barely budge in response to actual COVID-19 infection. But Pfizer vaccine-induced them. This special group of monocytes, which are part of the innate museum. constituted only 0.01 per cent of all circulating

blood cells before vaccination. But after the second Pfizer vaccine shot, their numbers expanded 100-fold to account for a full 1 per cent of all blood cells. In addition, their disposition became less inflammatory but more intensely antiviral. They seem uniquely capable of providing broad protection against diverse viral infections, Pulendran said. "The extraordinary increase in the frequency of these cells, just a day following booster immunization, is surprising," Pulendran said. "It's possible that these cells may be able to mount a holding action against not only SARS-CoV-2 but against other viruses as well." Pulendran is a member of the Institute for Immunity Transplantation & Infection and Stanford Bio-X and a faculty fellow of Stanford ChEM-H.3



जैसा मनुष्य पुराने वस्त्रों को त्यागकर दूसरे नये वस्त्रों को ग्रहण करता है, वैसे ही आत्मा पुराने तथा वृद्ध शरीर को त्यागकर नये शरीर को प्राप्त करती है.

#### वास्तविक दुनिया के साक्ष्यः फार्मा में राजस्व बढ़ाने की कुंजी

विभिन्न म्रोतों से एकत्रित वास्तिवक दुनिया के डेटा का उपयोग रोगी के स्वास्थ्य या स्वास्थ्य देखभाल के वितरण पर उपयोगी जानकारी प्रस्तुत करता है। इन डेटा बिंदुओं का विश्लेषण किसी चिकित्सा उत्पाद के उपयोग, संभावित लाभों या जोखिमों के बारे में नैदानिक साक्ष्य बनाता है

वास्तिक दुनिया के साक्ष्यः फार्मा में राजस्व बढ़ाने की कुंजी द्वारा गौरव गुप्ता पिछले वर्षों में, वास्तिवक दुनिया के साक्ष्य नैदानिक परीक्षणों और जोखिम मूल्यांकन के डिजाइन को अनुकूलित करने में सफल साबित हुए हैं। तकनीकी रूप से उन्तत स्वास्थ्य देखभाल प्रणालियों के आगमन के साथ, फार्मा दुनिया तेजी से परिणाम-आधारित रोगी देखभाल प्रदाता के रूप में परिवर्तित हो रही है। पारंपरिक स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली ने हमेशा चिकित्सा हस्तक्षेपों पर ध्यान कोंद्रित किया है जो काफी हद तक रोगी के जीनोमिक्स, व्यवहार और पर्यावरणीय कारकों

पर आधारित थे। अब इलेक्ट्रॉनिक मेडिकल रिकॉर्ड (ईएमआर), चिकित्सा दावों, उत्पादों और स्वास्थ्य संबंधी उपकरणों सिंहत कई म्रोतों से प्राप्त वास्तविक दुनिया के डेटा पर अधिक जोर दिया जा रहा है। ये डेटा बिंदु महत्वपूर्ण RWE अध्ययन बनाते हैं जो उत्पाद चक्र में मूल्य जोड़ते हैं। इन डेटा सेटों की समझ के साथ, फार्मा कंपनियां प्रभावी आरडब्ल्यूई अनुप्रयोगों के लिए रणनीतियां भी तैयार कर रही हैं जो नैदानिक अध्ययन के पूरक हैं। यह दवा कंपनियों और स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं के लिए आरडब्ल्यूई पद्धति, दिशानिर्देशों और मानकों को परिभाषित करने और लागू करने की अध्य करतों को पूरा करने की इच्छा को तेज करता है। इसके अलावा, यह शोधकर्ताओं को वास्तविक दुनिया के अध्ययन में बहुत पहले चरण में खामियों की पहचान करने में मदद करेगा और उन्हें सुधार का मौका दें।



# भारत संयंत्र के लिए आयात अलर्ट के बावजूद जुबिलेंट फार्मा की रेटिंग हेडरूम स्वस्थ: फिच

फिचिसिंगापुर: जुबिलंट फार्मा लिमिटेड (जेपीएल) अच्छी रेटिंग हेडरूम बनाए रखेगी क्योंिक भारत में अपने जेनेरिक फॉर्मूलेशन प्लांट के लिए हाल ही में यूएस फूड एंड ड्रग एडिमिनिस्ट्रेशन के आयात अलर्ट का प्रभाव सीमित होगा। फिच रेटिंग्स ने कहा है। जेपीएल के पास बड़े फार्मास्युटिकल साथियों की तुलना में कम उत्पादन सुविधाएं हैं लेकिन यह जेनेरिक फॉर्मूलेशन पर कम निर्भर है और प्रभावित संयंत्र की संयुक्त राज्य अमेरिका में केवल सीमित बिक्री है जो प्रभाव को कम करने में

जेपीएल के रुड़की संयंत्र पर प्रतिकूल नियामक कार्रवाई 2019 में एक चेतावनी पत्र का अनुसरण करती है। पहले के नियामक वर्गीकरण ने संयंत्र से नई दवाओं की मंजूरी को प्रभावित किया था लेकिन मौजूदा उत्पादों की बिक्री की अनुमित थी। फिच ने कहा कि नवीनतम आयात अलर्ट जेपीएल को रुड़की संयंत्र में निर्मित उत्पादों को

संयुक्त राज्य अमेरिका में बेचने से प्रतिबंधित कर देगा, कुछ छूट वाले उत्पादों को छोड़कर जिन्हें अतिरिक्त गुणवत्ता जांच को पूरा करना होगा। जेपीएल की मूल कंपनी जुबिलेंट फार्मोवा लिमिटेंड (जेपीएचएल) अपने समेकित राजस्व का करीब 80 प्रतिशत उत्तरी अमेरिका से प्राप्त करती है, लेकिन जेनेरिक फॉर्मूलेशन व्यवसाय समेकित राजस्व का केवल 24 प्रतिशत है। इसके अलावा, जेनेरिक फॉर्म्लेशन सेगमेंट के भीतर, जेपीएल के यूएस प्लांट में यूएस की अधिकांश बिक्री होती है। रुड़की से छूट प्राप्त उत्पादों को बाहर करने के बाद

समग्र प्रभाव मार्च 2021 (FY21) को समाप्त वित्तीय वर्ष में बिक्री के 3 प्रतिशत तक सीमित है। फिच ने कहा कि छूट वाले उत्पादों के लिए अतिरिक्त गुणवत्ता जांच प्रबंधनीय है। 2019 में चेतावनी पत्र के बाद से चल रहे उपचारात्मक प्रयास वृद्धिशील लागतों और समग्र लाभप्रदता पर प्रभाव को सीमित करेंगे। 'हम अनुमान लगाते हैं कि वित्त वर्ष २०११ में जेपीएचएल के समेंि. कत धन (एफएफओ) शुद्ध उत्तोलन (डिमर्ज किए गए

रसायनों के कारोबार से नकदी प्रवाह को छोड़कर) २. २ गना है, जो इसे फिच की ३.५० की नकारात्मक रेटिंग संवेदनशीलता के खिलाफ महत्वपूर्ण हेडरूम देता है। बाँझ उत्पादों (सीएमओ) और सिक्रय दवा सामग्री (एपीआई) के अनुबंध निर्माण जैसे क्षेत्रों में मजबूत वृद्धि ने जेपीएल के उच्च-मार्जिन रेडियोफार्मा व्यवसाय में कोरोनोवायरस महामारी और प्रतिस्पर्धी दबाव से लाभप्रदता पर प्रभाव को सीमित कर दिया। फिच ने कहा कि अगले कुछ वर्षों में सीएमओ कारोबार में क्षमता का विस्तार करने की घोषणा के अनुरूप जेपीएल को पहले की अपेक्षा कुछ अधिक पूंजीगत खर्च करने की संभावना है। हालांकि, इससे लीवरेज हेडरूम में भौतिक कमी की संभावना नहीं है। फिच ने कहा कि इंजेक्शन योग्य अनबंध निर्माण की उच्च मांग के मद्देनजर विस्तार से अतिरिक्त आय प्राप्त करने के लिए जेपीएल अच्छी स्थिति में है। आयात अलर्ट जेपीएल के



अपेक्षाकृत उच्च नियामक जोखिम को रेखांकित करता है क्योंकि इसके छोटे पैमाने पर और बड़े साथियों की तुलना में सीमित उत्पादन संयंत्र हैं। फिच ने कहा कि उसे उम्मीद नहीं है कि नवीनतम फैसले से जेपीएल के अन्य संयंत्रों की अनुपालन स्थिति पर नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। फिर भी, विशेष रूप से जेपीएल के विशेष व्यवसाय को पूरा करने वाले संयंत्रों में और नकारात्मक निर्णय क्रेडिट नकारात्मक होंगे।

व्यर्थ कर्म थकान लाते हैं जबिक श्रेष्ठ कर्म हमें प्रसन्न व हल्का बनाकर ताजगी प्रदान करते हैं. COVID-19 वैक्सीन के बाद रक्तदान पर गाइड-तथ्य सामने आए!

जब से कोरोनावायरस महामारी फैली, इसके प्रभाव निदान, और अब COVID-19 वैक्सीन के बारे में बहुत सारी प्रत्याशाएँ और अटकलें लगाई जा रही थीं! जैब मिलने के बाद यह रक्तदान कितना सुरक्षित है? क्या कोई गंभीर दुष्प्रभाव हैं? ब्व्टप्क टीकाकरण के बाद रक्तदान करना काफी सुरक्षित है जब तक कि आपको इससे संबंधित कोई प्रमुख दुष्प्रभाव न हो। यहां तक कि कई स्वास्थ्य विशेषज्ञ भी आश्वस्त करते हैं कि एक बार जब आप भयानक से प्रतिरक्षा कर लेते हैं तो रक्त देने में कोई बुराई नहीं है। हाल की महामारी ने वैश्विक परिदश्य को खराब कर दिया है जिससे विभिन्न ब्लड बैंकों में रक्त संग्रह में अभृतपूर्व गिरावट आई है। इसलिए, रक्तदान करने की अत्यधिक अनशंसा की जाती है ताकि इसकी कमी के कारण जरूरतमंद लोगों की जान न जाए!

#### आप सभी को कोविड -19 वैक्सीन के बाद रक्तदान के बारे में पता होना चाहिए।

रिपोर्टों से पता चला कि अमेरिकन रेड क्रॉस ने कहा कि टीकाकरण की खुराक से प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया रक्त देने से अप्रभावित रहती है। COVID-19 वायरस से सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एंटीबॉडी की कमी के बारे में कोई वैज्ञानिक रूप से सिद्ध अध्ययन नहीं

रेड क्रॉस कहता है कि वैक्सीन लेने वाले व्यक्ति का रक्ताधान भी सुरक्षित है। शरीर के प्रतिरक्षा तंत्र में कोई व्यवधान न होने के कारण, टीकाकरण की ख़ुराक लेने के बाद रक्तदान करना सुरक्षित है। लेकिन आपको इसके कई अन्य पहलुओं के बारे में भी विचारशील और सतर्क रहने की जरूरत है।

पैम्पर यंग, एमडी और अमेरिकन रेड क्रॉस के मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने कहा कि वैक्सीन के बाद प्राप्तकर्ता को दाता के शरीर में विकसित एंटीबॉडी का निष्क्रिय हस्तांतरण भी हो सकता है। हालांकि, गिनती में एंटीबॉडी ट्रांसफर का स्तर बहुत कम हो सकता

#### एंटीबॉडी का क्या मतलब है?

एंटीबॉडी आपके प्रतिरक्षा प्रणाली की ऊपरी सतह पर उपलब्ध प्रोटीन को संदर्भित करते हैं जिन्हें बी सेल के रूप में जाना जाता है। वे किसी भी संक्रमण को दूर करने और उसे पूरी तरह से निष्क्रिय करने में आपकी मदद करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। COVID-19 वैक्सीन के बाद रक्तदान करने की

एक बार जब आप टीकाकरण करवा लेते हैं, तो किसी भी समय रक्तदान के लिए जाना संभव है। जब तक आप स्वस्थ भोजन का सेवन नहीं करते और अच्छा महसूस नहीं करते, तब तक शॉट के बाद समय बर्बाद करने की कोई आवश्यकता नहीं है। रेड क्रॉस ने यह भी सलाह दी कि दाता अपनी पहली और दुसरी टीकाकरण खुराक के बीच भी रक्त दें। लेकिन केवल अगर वे नीचे सूचीबद्ध किसी भी दुष्प्रभाव का सामना नहीं कर रहे हैं:

- सिरदर्द
- 2. मांसपेशियों में दर्द
- 3. बुखार
- 4. व्यथा 5. कमजोरी

एक बार जब आप ऐसे सभी दुष्प्रभावों से मुक्त हो जाते हैं, तो रक्तदान के साथ आगे बढ़ना संभव है! रक्तदान कब नहीं करना चाहिए?

रक्तदान को अक्सर गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं और स्थितियों से जूझ रहे लोगों के लिए दयालुता का कार्य माना जाता है। कुछ चीजें अस्थायी या स्थायी रूप से रक्तदान फिर से शुरू करना आपके लिए अव्यवहा. रिक बना देती हैं। निम्नलिखित परिस्थितियों में, विश्व स्वास्थ्य संगठन रक्तदान से बचने की सलाह देता है। 1. आप सर्दी, बुखार, गले में खराश या किसी अन्य प्रकार के संक्रमण से बीमार हैं।

2. किसी भी दंत चिकित्सा उपचार के बाद, आपको कम से कम 24 घंटे प्रतीक्षा करने की आवश्यकता 3. किसी भी देश की हाल की यात्रा जिसमें मच्छरों से संबंधित संक्रमण का खतरा बढ गया हो।

4. पिछले 12 महीनों में किसी भी प्रकार के यौन संचारित रोग होने की संभावना।

5. हाल के दिनों में एचआईवी पॉजिटिव का परीक्षण किया गया।

6. स्तनपान कराने वाली माताएं

7. अगर पिछले 9-10 महीनों में जन्म दिया है। 8. किसी भी मनोरंजक दवाओं का इंजेक्शन लगाया। रक्तदान के प्रकार क्या है?

COVID-19 के शुरुआती चरणों के दौरान, कई रोगियों ने उन लोगों के एंटीबॉडी के साथ इलाज किया, जो बीमारी से ठीक हो गए थे। इसे कॉन्वेलसेंट प्लाजमा के नाम से जाना जाता था और यह अभिनय करने वाले COVID संक्रमण के इलाज में फायदेमंद साबित हुआ। लेकिन द अमेरिकन रेड क्रॉस ने खुलासा किया कि जिन लोगों ने COVID-19 वैक्सीन ली थी, वे दीक्षांत प्लाज्मा दान के लिए पात्र नहीं हैं। COVID-19 वैक्सीन के बाद विभिन्न प्रकार के रक्तदान को समझना अनिवार्य है। और प्रत्येक की पात्रता और आवश्यकताओं का अपना सेट है। नजर

1. संपूर्ण रक्तदान- यह श्वेत रक्त कोशिकाओं, लाल रक्त कोशिकाओं, प्लाज्मा और प्लेटलेट्स का गठन करता है। दाता हर 56 दिनों में अपना रक्तदान कर सकते हैं, और अधिकांश राज्य 16 वर्ष से अधिक आयु के सख्त मानदंडों का पालन करते हैं। रक्तदान करने के लिए एक व्यक्ति का वजन लगभग 110 पाउंड होना चाहिए।

2. प्लेटलेट डोनेशन- ये रक्त के थक्के बनाने वाले महत्वपूर्ण घटक हैं जो किसी भी चोट की स्थिति में रक्तस्राव को रोकते हैं। प्लेटलेट डोनेशन उन लोगों के लिए मददगार है, जिन्हें कैंसर, दर्दनाक चोट या किसी

अन्य प्रकार की पुरानी बीमारी है। प्लेटलेट डोनेशन साल में 24 बार तक संभव है और इसके लिए आपकी उम्र 17 साल या उससे अधिक होनी चाहिए।

टीकाकरण की स्थिति से इतर, रक्तदान समय की मांग है। कई रक्तदान केंद्र रोगियों द्वारा रक्त की मांग में वृद्धि के खिलाफ रक्त संग्रह को कम करने की करते हैं। एक सामूहिक अध्ययन से यह भी पता चलता है कि COVID-19 संक्रमण और लॉकडाउन प्रतिबंधों के डर से दाता रक्तदान से परहेज कर रहे हैं। लेकिन अधिकांश रोगियों अधिकांश जीवन रक्षक उपचारों का सामना करने के लिए इस रक्त आवश्यकता होती है।

क्या मैं COVID-19 वैक्सीन लेने के बाद रक्तदान कर सकता हूँ? हाँ! COVID-19 वैक्सीन लेने के बाद रक्तदान करना

पूरी तरह से ठीक है, और बहुत सी बातें जानने योग्य

1. रक्तदान के समय जिस निर्माता का नाम आपने वैक्सीन प्राप्त किया है

उसका नाम बताना अनिवार्य है। 2. रक्तदान करने की योजना बनाने से पहले हाइड्रेटेड रहें और अच्छा भोजन करें।

3. सुनिश्चित करें कि आपको कोई अन्य बीमारी या कमी नहीं है क्योंकि यह रक्त की गुणवत्ता को

4. किसी भी परेशानी में पडने से बचने के लिए केवल वैध रक्त संग्रह केंद्रों पर जाएं,

आपके द्वारा अपना COVID-19 वैक्सीन प्राप्त करने के बाद कोई सीमित प्रतीक्षा अवधि नहीं है, और आप इसके बाद पूरी तरह से ठीक हैं। यदि दाताओं को इस बात की जानकारी नहीं है कि उन्हें किस प्रकार का टीकाकरण मिला है, तो रक्त देने से पहले कम से कम दो सप्ताह तक प्रतीक्षा करने की सलाह दी जाती है।

क्या COVID-19 वैक्सीन के किसी भी दुष्प्रभाव का सामना करने पर रक्तदान करना संभव है?

अमेरिकन रेड क्रॉस निर्दिष्ट करता है कि रक्तदान तभी संभव है जब आप रक्तदान के समय शानदार महसूस करें। यदि आपने पहले से ही दान की नियुक्ति निर्धारित कर ली है और इसके ठीक पहले टीका लगवा लिया है, तो अच्छा लगे तो दान को पूरा करना बेहतर है। जब तक आपको कोई साइड इफ़ेक्ट न हो, रक्तदान को पुनर्निर्धारित करने की कोई आवश्यकता नहीं है।

COVID-19 वैक्सीन लेने के बाद रक्तदान पर बहुत से लोगों के मन में अस्पष्ट विचार आते हैं! उन्हें लगता है कि यह उनकी प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया को कमजोर कर सकता है या एंटीबॉडी में कमी कर सकता है। लेकिन यह बेतुका है! जब भी प्राप्तकर्ता रक्त आधान से गुजरता है, तो उनके वास्तविक रक्त की मात्रा के साथ एक कमजोर पड़ने की प्रक्रिया होती है। इसलिए, वे किसी भी तरह से आपसे समान घटक प्राप्त नहीं करने जा रहे हैं।

वास्तव में, भयानक COVID-19 प्रभावों से जूझ रहे लोगों के लिए आपका रक्त जीवित रहने की आशा हो सकता है! लोग इस महामारी के प्रभाव



Puspanjali Enclave, K.P. Road Bulandshahr 203001 (UP)

+91 94104 34811 | +91 90450 29158 +91 92589 06451 | +91 90271 75115 +91 97196 94664 | +91 93682 30423

bnpharmacompany@gmail.com

से अपने प्रियजनों को बचाने के लिए अपनी जीवन भर की बचत खर्च कर रहे हैं, और आपका रक्त उनके लिए एक संभावित मदद हो सकता है। रक्त संग्रह की कमी पूरे स्वास्थ्य सेवा उद्योग के लिए एक बड़ी चुनौती है, और आपका छोटा सा कदम एक बड़ा बदलाव ला सकता है!

#### Global private equity funds in talks to purchase minority stake in BDR Pharmaceuticals

Several global funds are in early stages of discussions to acquire a minority stake in BDR Pharmaceuticals, a midsize drug manufacturer which has been in the limelight since the start of the Covid-19 pandemic. Promoters Dharmesh Shah and family plan to sell an about 15% stake in the privately held company to raise about Rs 1,000-1,200 crore, according to people aware of the development. In this first round of fundraising, BDR is likely to be valued at Rs 7,000-7,500 crore.

Funds like the Carlyle Group, Warburg Pincus and TA Associates are engaged in initial discussions, the people added. Investment bank O3 Capital is advising the promoters. In 2018, Shah had tried his luck to sell minority stake and had discussions with funds like Carlyle, but it did not fructify. Spokespeople for BDR and Warburg Pincus declined to comment, while mails sent to Carlyle and TA Associates did not elicit any response till press time on Thursday. BDR is one of the top manufacturers in India of remdesivir, favipiravir and baricitinib, which are used in Covid-19 treatment. It is also the exclusive manufacturing partner of Cipla for remdesivir. Since the beginning of the pandemic last year, the Mumbaibased company has seen a sharp increase in revenue. BDR sells favipiravir under its brand name BDFAVI, besides manufacturing the drug for Sun Pharmaceutical Industries and Indoco Remedies. Recently, BDR got a royaltyfree, limited and non-exclusive voluntary licence from Eli Lilly & Co for manufac-

turing and marketing baricitinib. BDR has posted revenue of Rs 1,200 crore and operating earnings of Rs 400 crore in FY21, said people in the know. Oncology, critical care, and gynaecology segments contribute 50% to its revenue. Under its two companies - BDR Pharmaceuticals International and BDR Life Sciences - the BDR Group remains an aggressive player in manufacturing of active pharmaceutical ingredients and formulation drugs. It focuses on development in specialised therapeutic seqments: oncology, critical care, gynaecology and neurology. BDR has its manufacturing unit, specialised in oncology oral formulations, at Vadodara in Gujarat. It plans to manufacture specialised oncological injectables in dosage forms and a manufacturing site in Halol in Gujarat has been acquired for this, according to the company website. Its API facility for biotech products and another formulation plant is located at Savli, Vadodara. Dharmesh Shah, who worked with Hetero Pharma since its inception in 1993, left the Hyderabadbased firm and set up BDR Pharma in 2003. BDR, which was into contract manufacturing of finished products for leading pharma players, entered into the field with its own brands with own marketing team and field force recently. As its future plans, BDR will tap the opportunities in the off-patented drug market globally, especially in biosimilar space, and expand manufacturing facilities accordingly. In India, BDR is a pioneer in manufacturing off-patented drugs in areas like oncology. In 2013, it had manufactured a generic version of Johnson & Johnson's prostate cancer drug Zytiga (abiraterone) for Rs 30,000 a month treatment against the J&J price of Rs 1 25 lakh

मेडिवर डिजिटल हॉस्पिटल टीम को सम्मानित कर विदा हुए पूर्व जिलाधिकारी के विजयेंद्र पांडियन



कोविड-19 वैश्विक महामारी एवं आपदा नियंत्रण हेतु स्थापित कोविड-19 कमांड एवं कंट्रोल सेंटर द्वारा चलाए गए अभियान में कार्य करने एवं सहयोग प्रदान करने वाले टीम मेडिवर डिजिटल हॉस्पिटल के कोरोना योद्धाओं को 15 अगस्त को सम्मानित किया जाना था लेकिन पूर्व डी एम का अचानक तबादला हो जाने के कारण डीएम कैंप कार्यालय पर एक संक्षिप्त आयोजन करके कोविड में अतुलनीय योगदान के लिए कोरोना योद्धा का सर्टिफिकेट वितरण, आयोजन किया गया जिसमें में विदाई बुके के साथ पूर्व जिलाधिकारी के विजेंद्र पांडियन को नोडल अधिकारी सुनीता पटेल षाज्य स्तर पर सम्मानित स्मृति चिन्ह भेंट प्रदान की अपर सीएमओ गणेश यादव शासन द्वारा प्राप्त प्रशस्ति पत्र प्रदान किए साथ ही डॉ ऐ एन त्रिगुण मेडल पहनाकर सम्मानित किये, पूर्व जिलाधिकारी ने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि कोविड संक्रमण काल में आप सभी का बहुत सहयोग रहा आपदा में आप लोग प्रशासन के साथ खड़े थे 24 घंटे की सेवा दिये कोविड चौम्पियंस, एवं कोरोना योद्धाओं का सम्मान मंच के माध्यम से करना चाहता था, लेकिन नहीं हो पाया,आप लोगों के प्रयास को हमेशा याद रखूंगा, और पुन: अवसर मिला तो अवश्य आऊंगा यहां की जनता बहुत ही अच्छी और सहयोगी स्वभाव की है, पूर्व जिलाधिकारी टीम मेडिवर, रामेश्वर मिश्रा सह संस्थापन मेडिवर डिजिटल हॉस्पिटल एवम डिप्टी डी एच आई ओ नोडल अधिकारी सुनीता पटेल को मेडल और प्रशस्ति पत्र देते हुए उनके कार्यों की सराहना किये कहे आप पुरी तत्परता से कोरोना काल में लगी रही,आम जन मानस को आप के माध्यम से काफी सहयोग प्राप्त हुआ ,साथ ही प्रभात कुमार सिंह, दिलीप कुमार,सुवोध श्रीवास्तव,देवेश श्रीवास्तव, आकांक्षा गुप्ता, अमित तिवारी, डाक्टर सहावुद्दीन को मेडल और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किए कोरोना काल में योगदान देने वाले कुछ कोरोना योद्धाये अपर सी एम ओ गणेश यादव, डाक्टर ए एन त्रिगुण, नीरज श्रीवास्तव ई डिस्ट्रिक्ट मैनेजर,राजेश सिंह ओ एस डी, अंगद यादव स्टैनो डी एम कैम्प कार्यालय,नितिन श्रीवास्तव, रामेश्वर मिश्रा मेडिवर डीजिटल हास्पीटल अमता राव, मधिलका चौधरी मेडिवर डीजिटल हास्पीटल, पूर्व जिलाधिकारी के हाथो प्राप्त किए। कार्य क्रम का संचालन अमृता राव ने की सभी उपस्थित लोगों ने पूर्व जिलाधिकारी को शुभकामनाए अभिव्यक्त किए यात्रा मंगलमय की कामना किये।

#### **5 Food Items To Keep Your Kidney Healthy**

In today's world, a nutritious diet combined with physical exercise is essential to keep the body healthy. A healthy diet not only solves nutrient deficiencies in the body but also protects against a variety of diseases. The kidney is a filter that eliminates toxins from the body. It is always critical to maintaining kidney function in addition to overall health. The kidneys can be harmed by a poor diet. This can result in disorders ranging from kidney stone formation to kidney cancer. We often neglect our eating and drinking habits, which is hazardous not only to our bodies but also to our kidneys. Healthy food items must be included in your diet for proper functioning of kidney. Let us discuss some of these foods and how they can assist to keep your kidneys healthy.

Spinach:- The green leafy vegetable is high in vitamins A, C, K, iron, magnesium and folate. Spinach contains betacarotene, which helps to enhance immunity. Include spinach in your diet to keep your kidneys healthy.

Pineapple:- Pineapple consumption can help to boost immunity. It has a high fiber content, which aids in the prevention of kidney diseases. It's rich in manganese, vitamin C, and bromelain, an enzyme that helps reduce inflammation. It's also a low potassium alternative for those having kidney problems.

Capsicum: - Capsicums are rich in antioxidants. Apart from that, it contains a significant amount of Vitamin C. To keep the kidneys in good shape, capsicum should be included in one's

Cauliflower:- Cauliflower is high in vitamin C, folate and fiber. It is a healthy source of these nutrients which helps body to clean toxins. Cauliflower eating can help to keep kidneys healthy as it does not contain high level of sodium, potassium or phosphorous and thus reduces pressure on kidney.

Garlic:- Garlic has low sodium, potassium, and phosphorus content, which is good for patients with renal disease. Garlic in the diet can help to keep kidneys healthy.

#### COVID-19: Second dose trial of Covaxin on 2-6 years to begin by next week

New Delhi: As part of its COVID-19 vaccination trials for children, Bharat Biotech is likely to administer the second dose of Covaxin to children aged between 2 and 6 years next week, sources said. According to sources, children in the above-mentioned age group have already received the first dose of the vaccine. They added that the second dose of Covaxin has already been administered to children in the age group of 6-12 years at the All India Institute of Medical Sciences (AIIMS) in New Delhi. AIIMS. Delhi is one of the trial centres for the vaccine for those below 18 years. As per sources, the results of clinical trials is expected to come in one month after the completion of trials of all age groups. The trial is conducted in three phases by segregating children into categories according to their age. The first trial was started in the age group of 12-18 years followed by the age group of 6-12 years and 2-6 years which are currently undergoing trials. Recently, the Centre informed the Delhi High Court that clinical trials of COVID-19 vaccines for children under 18 years of age were to get completed soon.

Experience you can Trust

#### बायोलॉजिकल ई का COVID-19 वैक्सीन Corbevax सितंबर के अंत तक लॉन्च होने की संभावना है शालिनी भारद्वाज द्वारा

नई दिल्ली: हैदराबाद स्थित दवा कंपनी बायोलॉजिकल ई के भारत में सितंबर के अंत तक अपना COVID-. 19 वैक्सीन Corbevax लॉन्च करने की उम्मीद है, सोमवार को सूत्रों ने कहा।

सत्रों ने बतायाँ कि कंपनी ने अपने तीसरे चरण के क्लिनिकल परीक्षण शुरू कर दिए हैं। सरकार ने



की COVID-19 वैक्सीन Corbevax को प्रीक्लिनिकल स्टेज फेज 3 के अध्ययन से पहले बुक कर लिया है। नवीनतम लिखित उत्तर में, केंद्रीय स्वास्थ्य राज्य मंत्री, डॉ भारती प्रवीण पवार ने कहा कि भारत सरकार ने घरेल वैक्सीन निर्माता बायोलॉजिकल ई को वित्तीय सहायता भी प्रदान की है, जो वर्तमान में श्जोखिम में विनिर्माणश के लिए अग्रिम चरण 3 नैदानिक परीक्षणों में है। COVID-19 वैक्सीन की। जैविक ई के अगस्त के अंत तक एक आपातक.

> ालीन उपयोग लाइसेंस (ईयूएल) के लिए आवेदन करने की उम्मीद है और दिसंबर 2021 तक भारत सरकार को 300 मिलियन खुराक की आपर्ति करेगा। यह एक दिन बाद आता है जब एक विशेषज्ञ पैनल ने सरकार को टीकाकरण बढ़ाने और गैर-औषधीय हस्तक्षेपा. से चिपके रहने की सिफारिश की ताकि कई स्वास्थ्य विशेषज्ञों और सीओवीआईडी प्रबंधन निकायों द्वारा अनमान के अनसार सीओवीआईडी -19 की संभावित तीसरी लहर को कम किया जा सके। सितंबर तक देश एएनआई से करते हुए, सरकार द्वारा बात

अधिकृत पैनल के विशेषज्ञों में से एक ने सुझाव दिया कि उसने 'सरकार को टीकाकरण बढ़ाने और गैर-औषधीय हस्तक्षेप जैसे कि COVID-19 उचित व्यवहार, मास्क पहनना, सामाजिक दूरी और नियंत्रण क्षेत्र से चिपके रहने की सिफारिश की है।' पैनल की सिफारिशों के अनुसार, स्वास्थ्य के बुनियादी ढांचे को मजबूत करना और पर्याप्त रूप से तैयार करना महत्वपूर्ण है तांकि हर दिन 4 लाख मामलों को संभाला जा सके। इसके अलावा, नियमित सेवाओं को भी बनाए रखा जाना है, उन्होंने कहा।

इसके लिए 1 लाख वेंटिलेटर बेड के साथ 2 लाख अतिरिक्त आईसीयू बेड की जरूरत होगी। यह टीकाकरण और कोविड के उचित व्यवहार के अतिरिक्त होगा. "सत्रों ने एएनआई को बताया। COVID-19 स्थिति से निपटने और देश के स्वास्थ्य के बुनियादी ढांचे में सुधार के लिए, सरकार ने 23,000 करोड़ रुपये के COVID प्रबंधन पैकेज की घोषणा की है। राज्यों को पहले ही केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय को स्वास्थ्य बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए अपनी योजना भेजने का निर्देश दिया जा चुका है। राज्य को उसकी योजना के अनुसार तरंत पैसा दिया जाएगा। इस बीच, भारत का COVID-19 टीकाकरण कवरेज रविवार को 43.51 करोड़ से अधिक हो गया। आज सुबह 8 बजे तक की अनंतिम रिपोर्ट के अनुसार, 52,95,458 सत्रों के माध्यम से कुल मिलाकर 43,51,96,001 टीके की खुराक दी जा चुकी है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने सोमवार को कहा कि पिछले 24 घंटों में 18,99,874 टीके की खुराक दी गई।

#### Top 10 Advantages of Couple Workout- How Sweating Together Helps! ries together. Satisfactory results- A

combined research was carried out of

couples working out together, and 87%

of them claimed to derive satisfactory

results from it. When couples help each

other is stretching or forming yoga poses

together, a unique level of balancing

develops that help in achieving timely

goals. Meeting fitness goals together

**ZESTICA** Pharma

#### Workout for Couples- 10 Incredible Benefits of Exercising Together!

Hitting the gym or planning a walk daily at the park might be a monotonous regime for many! Most people try to follow a fitness schedule, but they find it dull to exercise alone. How about running on a treadmill or going for a jog with vour partner? When you workout as a

couple, the chances of developing a better bond increases all the more. It also recharges the couple competitive spirit that helps you to keep going. Many fitness and health experts have also termed couple workout as a fitness hack to help people discover their better version. It has several physical as well as emotional advantages. When your best buddy or soul mate follows you for the yoga or exercises session, it generates more positive vibes. Besides, people tend to avail themselves of a higher level of motivation and support. This is also a great way to pump up romance and intimacy in your relationships that might be missing due to hectic work routines. Let's explore many other benefits of opting for collaborative workout with your partner.

Why Couple Workout is a Great Idea? Are you excited about the concept of couple workouts? Do you want to learn more about how it helps strengthen the emotional chords amongst the partners? Then check out below.

Better Concentration- If you have

fosters better communication, integrates higher level of satisfaction а in the couples.

> boosts up, leading to shedding of higher calories and gaining a better body shape as a result. With this, there is a scope for the overall emotional and physical development of you and your partner both.

ZESTICA Pharma

Phone No :- 9882007636, 9882130050

9218504849, 9882844849

(1) 155

e c

Surge in Attraction-Another advantage of a couple workout is that partners develop a special connection towards each other. If that roman-

could stay happy and active together! It is a blessing to go for adventurous hikes or scuba diving together. Many lethargic people miss this fun and often regret it late in their lives. So, make the most of this opportunity to enjoy exercising together. Setting common fitness goals develops a competitive spirit that further

Cheering and supporting each other throughout the journey often serves as a beautiful way to stay fit and set an example to others.

Healthier emotional well-being- Next benefit of a couple workout is that you and your partner can experience a higher emotional contact that might be missing for a long time. Many scientists have

also proved that when couples exercise together, they tend to develop a non-verbal pattern of togetherness, increasing an emotional connection. Developing sync of movements such as weightlifting or running leads to creating a subconscious bond between the two. Many couples also expressed that they feel more connected to each other during their morning workout hours!

Quality Time- You might have heard this term several times. Spending quality time with your partner is still a dream for many. In today's scenario, where men and women both have stringent work commitments, it isn't easy to find time for each other. A dedicated fitness routine together ensures that you discuss all your concerns with each other and kill the communication gap that's hampering your relationship.

Explore new passions- Have you ever thought of exploring a new hobby together? Maybe no, as there is no time left when you can indulge in something of your routine task. Picking new hobbies and trying to find your partner's passion could be an exhilarating experience for your both. In this process, you can also try some new activities and sculpt out your inner artist. Adapting to new things maintains a pliable body condition and helps in immersing back into the love pond!

Savings- Have you heard of family membership discounts at gyms? It is a great way to motivate yourself or the partner to buck up their shoes and get ready for a gym session. Trying out a new fitness endeavour is not just exciting but also promotes a good health message and importance to other people. On a practical note, it also deducts the gas expenses that you have to bear for driving to the gym classes separately.

Ready for A Healthy Couple Workout? The tips mentioned above clearly indicates that exercising, yoga, meditation, gym or any form of workout with your partner is the best thing to do! It could prove to be the best decisions of your life. Good health and emotional compatibility is a rare combination, but together, you can hit on it.

Are you still thinking about it? Follow the above tips and give a one-week trial if this regime works well for your partner and you or not. You will indeed witness a significant change. It would be interesting to listen to your personal sexperiences of a couple of workouts in the comments below!



#### 'ऑनलाइन कक्षाएं तनाव पैदा कर रही हैं, छात्रों के स्वास्थ्य पर असर'

लखनऊ: शहर और राज्य के विभिन्न स्कूलों में कक्षा IV से XII तक के 55% से अधिक छात्रों ने महामारी के दौरान लंबे समय तक ऑनलाइन कक्षाओं के कारण कुछ स्वास्थ्य समस्याओं का अनुभव किया। स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं में मुख्य रूप से तनाव, आंखों की रोशनी में परेशानी और अनिद्रा शामिल हैं। लखनऊ स्थित स्प्रिंग डेल कॉलेज (एसडीसी) के स्कुलों की श्रृंखला के नौवीं-बार. हवीं कक्षा के छात्रों द्वारा किए गए अध्ययन के कुछ प्रमुख निष्कर्ष - 'लर्निंग एंड वेलबीइंग पर महामारी के दौरान ऑनलाइन शिक्षण का प्रभाव'। 25 जुलाई को 'जागरूकता दिवस' के रूप में मनाए जाने वाले एसडीसी के संस्थापक बीएस सूद की पुण्यतिथि की पूर्व संध्या पर जारी अध्ययन की रिपोर्ट 4,454 उत्तरदाताओं - 3,300 छात्रों, 1,000 अभिभावकों और 154 उत्तरदाताओं के समृह चर्चा सहित एक सर्वेक्षण पर आधारित है। शिक्षक - विभिन्न विद्यालयों के। उत्तरदाताओं से ऑनलाइन कक्षाओं की समस्याओं और लाभों के बारे में पूछताछ की गई। अध्ययन में, 54-58% छात्रों ने गंभीर शारीरिक तनाव, आंखों की रोशनी में परेशानी, पीठ दर्द और पोस्टुरल समस्याओं, सुस्ती, थकान, चिड्चिडा़पन और मोटापे के कारण सिरदर्द जैसी समस्याओं की सूचना दी।

लगभग ५०% ने तनाव की शिकायत की और २२.७% ने अनिद्रा की शिकायत की, लगभग ६५% छात्रों ने तकनीकी गड़बड़ियों, नेटवर्क की समस्या, मोबाइल फोन के माध्यम से अध्ययन करते समय ध्यान केंद्रित करने में कठिनाई को इसका मुख्य कारण बताया। लगभग 46-47% छात्रों को शिक्षकों और सहपाठियों के साथ बात. चीत करने में समस्या थी और उन्होंने कहा कि सभी लोग एक बार में स्क्रीन पर नहीं दिखते हैं। छात्रों ने आत्मविश्वास में कमी और कम प्रेरणा की शिकायत की। बच्चे, शिक्षक अब अधिक तकनीक की समझ रखने वाले: ऑनलाइन शिक्षण के कारण कुछ सकारात्मक परिणाम भी आए, जिससे लॉकडाउन के बावजूद शिक्षा जारी रखने में मदद मिली। उदाहरण के लिए, छात्र और शिक्षक दोनों ही तकनीक के जानकार हो गए हैं। 60% से अधिक छात्रों ने कहा कि मिलता है जिसका उपयोग वे बागवानी, उन्हें अतिरिक्त खाली समय कला और शिल्प में करते हैं। लगभग 65% छात्रों ने कहा कि घर पर अधिक समय बिताने से पारिवारिक संबंध मजबूत होते हैं।

#### दुर्ग कैसे अचल होगा?

नींव ही सुदृढ़ नहीं तो, दुर्ग कैसे अचल होगा? अमरबेलों पर कभी क्या, फूल खिलते देखे तुमने? धूल के बादल मरूस्थल में, बरसते देखे तुमने? तोंड़ता है जो कुसुम, आकाश के वो मूर्ख होगा। नींव ही सुदृढ़ नहीं तो, दुर्ग कैसे अचल होगा? विद्वान कभी करते नहीं, निर्माण हवाई किलों का। वीर सीना तान करके, नाश करते मुश्किलों का।। देश की स्वतंत्रता की रक्षा, कायर क्या करेगा? नींव ही सुदृढ़ नहीं तो, दुर्ग कैसे अचल होगा? देश का आधार गहरा, नींव मत इसकी हिलाओं। स्वार्थलोलुप बन युगों की, आस्थाएं मत मिटाओ।। कोरे आश्वासन से क्या, विश्वास निश्चल हो सकेगा? नींव ही सुदृढ़ नहीं तो, दुर्ग कैसे अचल होगा? – सुरेश चन्द्र 'निशिकर', मो॰ 9650430325.

घर पर रहें, सुरक्षित रहें. "समयानुसार बुरे दिन तो निकल जाते हैं पर वे अपनी पहचान छोड़ जाते हैं.''



body charges up and stretches its limits all the more. A good gym partner can be the reason for your faster progress and better concentration in fitness. It is a new way to showing love to each other where you care for each other's health and make all attempts to grow stronger and healthier together. Push your limits and go off the couch to show your determination!

Helps in Bonding- It might sound notorious but exercising together often helps to get fitter and healthier every day. You can plan an excellent session for yourself and your partner on your lawn with yoga mats and water bottles. It helps develop a better bond with your partner, and you can cherish some great memo-

Better Performance- It is human psychology that when you tend to perform exercises or yoga with someone, it is natural to achieve higher performance levels. The person's athletic calibre

tic touch is lacking in your relationship for long, then try some workout sessions together. Sweating with your partner increases the connectivity and boosts up endorphin levels that leads to enhanced attraction. A joint workout is a great way to avail physical response from your soul mate.

Common fitness goals- A healthy couple persuades you to achieve them.

Contact No.

9997877123

9824013920

9422861751

9319275252

9307978423

982225968

9822034577

8312461258

9861015189

9771511779

9861243882

9414138998

9337335744

9444829937

9444308567

9443958620

9437020414

9958723206

9810202316

9810546759

9811680722

9818357577

9423916592

9450884543

9425114555

9926636333

9826299744

9425155125

9826563047

9829610430

9796636000

9419114398

9925236982

9829088088

9435514204

9881424434

9432550891

9829087574

9872202530

9344101063

982222559

9850943011

943107774

9329637397

9300855027

9925236984

9457449388

9823049499

9086454647

9885479105

9495951506

9307978423

9335015235

9985716032

9849022192

64549

#### मानसिक बीमारी के मामलों में वृद्धि चिंता का विषय, लेकिन तेलंगाना में डॉक्टरों की कमी

हैदराबाद: राज्य के स्वास्थ्य अधिकारियों ने कहा है कि महामारी के बीच मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों के बढ़ते मामले एक टाइम बम हैं क्योंकि राज्य में स्थिति से निपटने के लिए मानसिक स्वास्थ्य पेश. ेवरों का एक छोटा पूल है। तेलंगाना में अनुमानित 200 से 250 प्रशिक्षित मानसिक स्वास्थ्य पेशेवर हैं और हैदराबाद के बाहर 10 जिलों में सिर्फ 20 अस्पताल हैं। "इनमें से अधिकांश अस्पताल व्यक्तिगत मनोचिकित्सकों द्वारा चलाए जाते हैं और इनकी क्षमता 5 से 10 बिस्तरों की है। हैदराबाद के भीतर, लगभग १० अस्पताल हैं, जिनमें से कम से कम कुछ बड़े केंद्र हैं जिनमें मानसिक स्वास्थ्य संस्थान, एर्रागृङ्गा भी शामिल है। इसके अलावा, कुछ अस्पताल मुख्य रूप से नशामुक्ति केंद्र हैं," डॉ वी राकेश, अध्यक्ष, तेलंगाना आरोग्यश्री नेटवर्क हॉस्पिटल्स एसोसिएशन (TANHA) ने कहा। समस्या अगले दो वर्षों में बढ़ने की उम्मीद है और प्रयासों के बावजूद, राज्य के अधिकारियों ने स्वीकार किया है कि यह चिंता का कारण है। "अब सबसे गंभीर समस्या मानसिक स्वास्थ्य का मुद्दा है। यह अन्य सभी पोस्ट कोविड-19 जटिलताओं को पार कर गया है। यह गंभीर चिंता का कारण है क्योंकि लक्षण संक्रमित होने के तीन महीने के भीतर शुरू होते हैं और दो साल तक चल सकते हैं। हम कुछ सिस्टम लगाने की कोशिश कर रहे हैं। स्वास्थ्यकर्मी जब भी घरों में जाएंगे, शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य स्थिति का आकलन करने का प्रयास करेंगे। यहां तक कि अस्पतालों में आने वाले लोगों का भी आकलन किया जा रहा है और इस उद्देश्य के लिए जिलों में विशेष मनोरोग क्लीनिक स्थापित किए गए हैं, "डॉ जी श्रीनिवास राव, निदेशक, सार्वजनिक स्वास्थ्य, तेलंगाना ने कहा।

राज्य के स्वास्थ्य विभाग ने पहले इस समस्या से निपटने के लिए सरकारी अस्पतालों में लगभग 90 मनोचिकित्सकों (डॉक्टरों और रेजिडेंट डॉक्टरों) की पहचान की थी। इस बीच, कोविड -19 रोगियों को देखने वाले डॉक्टरों का कहना है कि मानसिक स्वास्थ्य पर प्रभाव 80% रोगियों में देखा जा रहा है, हालांकि मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों के लिए मदद मांगने से जुड़े कलंक के कारण कई रोगी उपचार का विरोध करना जारी रखते हैं। "आईसीयू में मरीज सबसे ज्यादा प्रभावित होते हैं क्योंकि उनके आसपास हर मौत उन पर छाप छोड़ती है। कई लोग रोते हैं और भर्ती होने के एक दिन के भीतर ही डिप्रेशन में चले जाते हैं। यहां तक कि जब वे ठीक हो जाते हैं और मूल्यांकन के लिए लौटते हैं, तब भी वे गंभीर अवसाद के लक्षण प्रदर्शित करते रहते हैं, "गांधी अस्पताल के एक रेजिडेंट डॉक्टर ने कहा।

#### **AUTHORIZED DISTRIBUTORS OF ADR BOOK**

#### Location Agra Ahmedabad Akola Aligarh Allahabad Amritsar Amritsar Aurangabad Aurangabad Belgaun Berhampur Bhagalpur Bhopal Bhubaneswar Bikaner Burla Calicut Chennai Chennai Coimbatore Coimbatore Coimbatore Cuttack Delhi Delhi Delhi Delhi Delhi Dhulea Gorakhpur Gwalior Indore Indore Jabalpur Jabalpur Jaipur Jammu Jammu Jamnagar Jodhpur Jorhat Kolhapur Kolkata Kota Koti Hyderabad Koti Hyderabad Koti Hyderabad Lucknow \_ucknow ∟udhiana Madurai Meerut Meerut Mumbai Mumbai Mumbai Nagpur Nagpur Patna Pune Raipur Raipur Raikot Ranchi Saharanpur Sangli

Sri Nagar

Trivandram

Visakhapatnam

Visakhapatnam

Tirupati

Varanasi

Varanasi

Party Name Satish Book Enterprises **Bharat Medical Book House Book Emporium** Rama Book Store Chetana Medical Books 0183-2571591 City Book Shop Medical Books & Surgicals Centre 0183-2422729 Arihant Excel Medical Book House Shri Samarth Book Depot Shri Ganesh Book Stall **Book World** Kora Kagaz Lyall Book Depot 0755-2543624 Annapurna Medical Book Shop Academy Book Centre **Bharat Book Emporium** Ramdas Sotes & Books 0495-2358398 Chennai Medical Book Centre 044-66246369 Shah Medical Books Arasu Medical Book House 0422-6725292 Balaji Medical Books Dass Medical Book Shop Scientific Book Depot Mirza Book Depot Pawan Book Service R.S.Book Store Sagar Book Depot University Book Store Koshal Book Shop Medical Book Centre Anand Pustak Sadan New Jain Book Stall Scientific Literature Company Lords Book Sellers Akash Pustak Sadan Kumar Medical Book Store Bhartiya Pustakalaya Narend Book Depot Jay Medical Book Centre **Book World** Naveen Pustakalaya Ajab Pustakalaya Raj Book House R.K.Stationers Osmani Medical Book House 040-64644253 040-24600869 Paras Medical Books Pvt Ltd. Sharp Medical Book Centre 040-65544303 Aditya Medical Books Pvt Ltd. 0522-2611724 0522-4046778 Arora Book Agencies Verma Book Depot Medical Books & International 0121-4056292 City Book Centre R LAL Book Depot 0121-2666235 The National Book Depot 022-24131362 Vikas Medical Book House Pvt Ltd. 022-23010441 Bhalani Medical Book House 022-24171660 New Medical Book Shop **Book Source Current Book Service** 020-2449283 J D Granth Bhandar S.K.Medical Book House Sristhi Book Stationery Mart Jay Books Medical Book Student Book Depot 0651-2221907 Hans Pustak Bhandar Tanavade & Sons **Doctors Dotkom** Shri Venketswar Book Depot Professional Book House Atithi Medical Books Current Book Agency

Andhra Medical Book Centre

World Medical Book Centre

#### कोरोना के दिमाग पर पड़ने वाले असर गुत्थी सुलझाएगा रांची का रिम्स, शोध में चार देश शामिल

अनुज तिवारी, रांची। कोरोना वायरस हमारे

तंत्रिका तंत्र (नर्वस सिस्टम) को किस तरह प्रभावित करता है, इसपर देश-दुनिया के विशेषज्ञ चिंता कर रहे हैं। कई कोरोना मरीज मस्तिष्क और न्यूरो से संबंधित बीमारियों की चपेट में भी आ रहे हैं। रांची स्थित राजेंद्र इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंसेज (रिम्स) के विशेषज्ञ अब इस बात पर मंथन करेंगे कि कोरोना की चपेट में आने के बाद लोगों को मस्तिष्क और तंत्रिका तंत्र से संबंधित कौन सी बीमारियां हो रही हैं। इस अंतरराष्ट्रीय शोध के लिए दुनिया के बड़े संस्थानों ने रिम्स पर भरोसा जताया है। रिम्स के साथ इस शोध में अमेरिका के अलावा यूरोप के चार देश शामिल हैं। भारत से इस शोध में शामिल एकमात्र संस्थान रिम्स है। एनआइएच और डब्ल्यूएचओ की देखरेख में होगा शोध यह शोध अमेरिका के शोध संस्थान नेशनल इंस्टीट्यूट आफ हेल्थ (एनआइएच) विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लूएचओ) की देखरेख में हो रहा है। रिम्स के निदेशक डा. कामेश्वर प्रसाद बताते हैं कि न्यूयार्क विश्व. विद्यालय के नेतृत्व और समन्वय में होने वाले इस अंतरराष्ट्रीय शोध के लिए रिम्स को मौका मिलना गौरव की बात है। इस शोध में अमे. रिका के न्यूयार्क विश्वविद्यालय के शोधार्थी और यूनाईटेड किंगडम (यूके), जर्मनी, स्पेन तथा इटली के चिकित्सक भी शामिल हैं। एनआइएच ने इस शोध के लिए तीन वर्ष का समय तय किया है। एनआइएच विश्व की बड़ी शोध संस्थाओं में से एक है। इस शोध के जो भी निष्कर्ष होंगे, उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सभी जर्नल में प्रकाशित किए जाने की योजना है। रिम्स के कई डाक्टर होंगे शामिल एनआइएच ने न्यूयार्क विश्वविद्यालय को इस शोध का कार्य सौंपा था। न्यूयार्क विश्वविद्यालय ने इस शोध को अंतरराष्ट्रीय शोध में बदलते हुए भारत समेत विश्व के अन्य देशों को भी इसमें शामिल किया। हाल के दिनों में रिम्स द्वारा किए गए शोध कार्य को भी देखा-परखा गया। शोध में हिस्सा ले रहे पद्मश्री डा. कामेश्वर प्रसाद पहले से ही बतौर न्यूरो कोरोना एक्सपर्ट डब्ल्यूएचओ की टीम में हैं। पूर्व में उन्होंने न्यूरो के क्षेत्र में कई विषयों पर अपना शोध प्रस्तुत किया है। शोध में निदेशक के अलावा रिम्स के डा. अमित कुमार, डा. सुरेंद्र कुमार, डा. गणेश चौहान, डा. देवेश और डा. प्रभात कुमार सहित अन्य सहयोगी शामिल होंगे। डा. कामेश्वर प्रसाद ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शोध करने से पहले स्वास्थ्य मंत्रालय की स्क्रीनिंग कमेटी से अनुमति लेने की प्रक्रिया अंतिम चरण में है। उत्तर-पूर्वी भारत पर केंद्रित है शोध यह शोध उत्तर-पूर्वी भारत पर ही केंद्रित होगा। झारखंड में आदिवासी-जनजातीय आबादी की बहुतायत के कारण यह शोध ऐसे मरीजों पर भी हो सकेगा, जो जनजातीय समूह से आते हैं। इसे देखते हुए शोध के लिए रिम्स का चुनाव किया गया। शोध में यह भी पता चल सकेगा कि मजबूत इम्यून सिस्टम वाले जनजातीय समुदाय के लोगों पर कोरोना ने कैसा असर डाला। ऐसे होगा शोध कार्य तीन वर्ष की अवधि वाले शोध कार्य में रिम्स में आने वाले व भर्ती हुए पोस्ट कोरोना मरीजों की पूरी जानकारी आनलाइन डाटा बेस में रखी जाएगी। देखा जाएगा कि कोरोना निगेटिव होने के बाद उनकी याद्दाश्त कैसी है, वह किस तरह की चीजों को भूल जाते हैं। उनमें बीपी व चक्कर आने की समस्या कैसी है। साथ ही, शरीर में कंपन की क्या स्थिति है। जो भी जांच कराई जाएगी। उसका भी डाटा सहेजा जाएगा। परा शोध कार्य इस डाटाबेस पर ही आधारित होगा। शोध के लिए रिम्स में पोस्ट कोरोना क्लिनिक बनाया जा चुका है। इसमें आए नतीजों को देखा जाएगा कि जनजातीय और गैर जनजातीय समूहों के विभिन्न आयुवर्ग के मरीजों को किस तरह की स्वास्थ्य समस्याएं पेश आ रही हैं। रिम्स के लिए यह शोध बड़ी उपलब्धि है। इस शोध कार्य में रिम्स की न्यूरोलाजी की टीम के साथ-साथ अन्य विभागों के डाक्टरों को भी मौका दिया गया है। डा. कामेश्वर प्रसाद, निदेशक, रिम्स, रांची। दुनिया के बड़े संस्थानों के साथ समन्वय बनाकर काम करने का अनुभव खास है। इस शोध से निकले निष्कर्ष आने वाले दिनों में कोरोना मरीजों के इलाज में बहुत सहायक सिद्ध हो सकते हैं।

समय मुफ्त में मिलता है, परंतु यह अनमोल है। आप इसे अपना नहीं सकते, लेकिन आप इसका उपयोग कर सकते हैं। आप इसे रख नही सकते, पर आप इसे खर्च कर सकते हैं। एक बार आपने इसे खो दिया, तो वापस कभी इसे पा नही पाएंगे!



#### **HC us FMC Corporation** के पेटेंट के साथ नैटको फार्मा को कीटनाशकों का उपयोग करके निर्माण करने से रोक दिया

नई दिल्ली: दिल्ली उच्च न्यायालय ने एक भारतीय जेनेरिक दवा निर्माता को किसी भी ऐसे कीटनाशक के निर्माण और उपयोग से रोक दिया है जिसमें एक प्रमुख घटक होता है जिसके पेटेंट का दावा यएस-आधारित रासायनिक निर्माता द्वारा किया जाता है।

न्यायमुर्ति सी हिर्हे शंकर ने एफएमसी कॉरपोरेशन के पक्ष में एक अंतरिम निषेधाज्ञा दी, जिसने नैटको फार्मा के खिलाफ पेटेंट उल्लंघन का दावा किया था। जबकि अमेरिकी कंपनी ने प्रस्तुत किया कि वह दशकों से भारतीय किसानों को कीटनाशक की आपूर्ति कर रही है, नैटको ने भारतीय किसानों को सस्ती लेकिन बेहतर कीटनाशक बनाने और बेचने की मांग करते हुए पेटेंट संरक्षण पर सवाल उठाया। एचसी ने एफएमसी द्वारा उत्पाद क्लोरेंट्रानिलिप्रोल (सीटीपीआर) पर प्रक्रिया पेटेंट और इसकी तैयारी की प्रक्रिया पर दावा करने वाली याचिका पर कार्रवाई की। इसने आरोप लगाया कि नैटको वादी से कोई लाइसेंस प्राप्त किए बिना अपने स्वयं के ब्रन्द उत्पादों का निर्माण और बाजार में जारी करने की योजना बना रहा है। सीटीपीआर एक सक्रिय संघटक है जिसका उपयोग एफएमसी द्वारा व्यावसायीकरण किए गए कीट प्रबंधन उत्पादों में किया जाता है और भारत में 'कोरजेन' और 'फेरेरा' कीटनाशकों में उपयोग किया जाता है, यह तर्क दिया। अपनी ओर से नैटको ने सीटीपीआर के निर्माण और विपणन के अपने कदम का बचाव किया, लेकिन यह कहा कि एफएमसी के पेटेंट की वैधता अमान्य है और आग्रह किया कि वे निरस्त किए जाने के लिए उत्तरदायी हैं।

न्यायमूर्ति शंकर ने निष्कर्ष निकाला कि भारतीय फार्मा कंपनी एफएमसी पेटेंट को अमान्य मानने या इन्हें रद्द करने के लिए किसी भी ष्प्रथम दुष्टयाष् मामले को बनाने में असमर्थ थी, और मूल निर्माता एचसी के अंतरिम निषेधाज्ञा को संरक्षण प्रदान करने से नैटको को निर्माण, उपयोग, वितरण, विज्ञापन से रोकता है। , निर्यात, बेचने और/या किसी भी उत्पाद को बेचने की पेशकश जिसमें क्लोरेंट्रानिलिप्रोल या सीटीपीआर शामिल है और पेटेंट प्रक्रिया का पालन करता है। अदालत ने अनुसंधान और प्रयोगों के उपयोग के लिए पेटेंट उत्पादों का उपयोग करने के लिए असाधारण परिस्थितियों में दी गई अनुमितयों के बीच अंतर किया। इसने बताया कि वर्तमान मामले में छूट 'केवल प्रयोग या शोध के उद्देश्य के लिए' नहीं बल्कि सीटीपीआर के निर्माण के लिए मांगी गई थी। पेटेंट को ही चुनौती देते हुए, नैटको ने तर्क दिया था कि सीटीपीआर के उत्पादन में, कोई 'आविष्कारक कदम' शामिल नहीं है और बेहतर कीटनाशक बनाने के लिए

लेकिन एचसी ने कहा कि कोई भी व्यक्ति या फर्म पहले सीटीपीआर का उत्पादन नहीं कर सकता था और जब तक उत्पाद का पेटेंट नहीं हो जाता, तब तक सीटीपीआर का आविष्कार कभी किसी ने नहीं किया था। विशेषज्ञों का कहना है कि इस फैसले से भारतीय कीटनाशक और उर्वरक उद्योग को और अधिक नवाचार के लिए प्रेरित करने की संभावना है ताकि किसानों को उच्च गुणवत्ता वाले कीटनाशक उपलब्ध हो सकें।

अन्य दवा निर्माताओं द्वारा सामग्री का उपयोग किया जा सकता है।

#### सिप्ला ने अमेरिका में मूत्राशय के इलाज की दवा की 7,228 बोतलें वापस मंगाई

नई दिल्ली: प्रमुख दवा कंपनी सिप्ला विनिर्माण मुद्दों के कारण अमेरिकी बाजार में सॉलिफेनासिन सिक्सनेट गोलियों की ७,२२८ बोतलें वापस ले रही है, जो अतिसिक्रिय मूत्राशय के इलाज के लिए इस्तेमाल की जाने वाली दवा है। यूएस फूड एंड ड्रग एडिमिनिस्ट्रेशन (यूएसएफडीए) द्वारा जारी नवीनतम प्रवर्तन रिपोर्ट के अनुसार, मुंबई स्थित कंपनी अमेरिका में 10 मिलीग्राम, 30-गिनती की बोतलों को वापस बुला रही है। वापस बुलाए गए बैचों का उत्पादन कंपनी के गोवा स्थित संयंत्र में किया गया था और बाद में इसकी न्यू जर्सी स्थित इकाई सिप्ला यूएसए

अमेरिकी स्वास्थ्य नियामक ने कहा कि कंपनी 'सीजीएमपी (वर्तमान अच्छी विनिर्माण प्रथाओं) विचलन' के कारण 7,228 बोतलों को वापस बुला रही है। सिप्ला ने इस साल 10 जून को रिकॉल की शुरुआत की और यूएसएफडीए ने इसे क्लास प्परिकॉल के रूप में वर्गीकृत किया है। यूएसएफडीए के अनुसार, क्लास II रिकॉल उस स्थिति में शुरू किया जाता है, जिसमें किसी उल्लंघनकारी उत्पाद के उपयोग या उसके संपुर्क में आने से अस्थायी या चिकित्सकीय रूप से प्रतिवर्ती प्रतिकूल स्वास्थ्य परिणाम हो सकते हैं या जहां गंभीर प्रतिकूल स्वास्थ्य परिणामों की संभावना बहुत कम है। इस साल जनवरी में, मुंबई स्थित दवा फर्म ने अमेरिकी बाजार से गैस्ट्रिक अल्सर की घटना में कमी के लिए एक देवा के 5.8 लाख से अधिक पैकेट वापस मंगवाए थे। दवा फर्म ने महाराष्ट्र में अपनी कुरकुंभ सुविधा में प्रभावित लॉट का निर्माण किया और फिर इसे अपनी न्यू जर्सी स्थित सहायक कंपनी को आपूर्ति की। यूएसएफडीए ने कंपनी द्वारा उत्पाद को वापस लेने का कारण 'अन्य उत्पादों के साथ क्रॉस-संदूषण ' का हवाला दिया। सिप्ला सबसे बड़े जेनेरिक दवा निर्माताओं में से एक है, जिसके 65 चिकित्सीय श्रेणियों में 1,500 से अधिक उत्पाद 50 से अधिक खुराक रूपों में उपलब्ध हैं।

#### हमारी प्यारी बेटियाँ

बहुत चंचल बहुत खुशनुमा सी होती हैं बेटियाँ, नाजुक सा दिल रखती हैं, मासूम सी होती हैं बेटियाँ, बात-बात पर रोती हैं, नादान सी होती हैं बेटियाँ, है रहमत से भरपूर, खूदा की नेहमत ये बेटियाँ, घर भी महक उठता है, जब मुस्कुराती हैं "बेटियाँ" यह हम नहीं कहते, यह तो "खुदा" कहता है, कि जब मैं बहुत खुश होता हूँ तो पैदा होती हैं बेटियाँ.



आपकी प्रेरणा ही हमारी प्रगति की द्योतक है. आपके बताये रास्ते पर ही हमारे भविष्य की मंजिल है. आपको कोटि-कोटि नमन ११ अगस्त २०२१ (२५ वीं पुण्य तिथि)

कृष्ण कुमार, शिवकुमार, अमित गोविल मन्ज गोयल, राकेश गर्ग, बजेश गर्ग अजय, विजय, प्राची, हिमादी व अनंत मैडीकल दर्पण • फार्मा न्यूज

फार्मा दर्पण • ADR (Advance Drug Reckons बी. एन. मैडीकल कॉम्प्लैक्स ● जी० सी० डिग्री कॉलिज बी. एन. फार्मास्युटिक्लस् ● वी० एस० कॉलिज ऑफ फार्मेसी

#### मस्तिष्क के लिए बहुत खराब हैं ये 5 फुड्स, अल्जाइमर और डिमेंशिया का बढ़ता है खतरा

इस बात में कोई दोराय नहीं है कि मस्तिष्क शरीर का सबसे महत्वपूर्ण अंग है. इस बात में कोई दोराय नहीं है कि शरीर के अन्य अंग भी एक स्वस्थ जीवन जीने के लिए बहुत जरूरी हैं, लेकिन यदि मस्तिष्क से तुलना की जाए तो यह हमारे शरीर का एक ऐसा अंग है जो पूरी बॉडी का संचालन करता है और सभी अंगों को नियंत्रित करता है. यह न केवल आपके दिल की धड़कन और आपके फेफड़े को हर समय साँस दिलाता है बल्कि यह उन सभी चीजा. का भंडार है जो आपको जीने के लिए आगे बढ़ाता है. आपके दिमाग में चलने वाले सभी विचार, यादें, बातें और नई बातों का उत्पन्न होना मस्तिष्क यानि कि दिमाग की ही देन है. ऐसे में जाहिर है कि इन

सबसे महत्वपूर्ण अंग को हर स्थिति में खुश और स्वस्थ रखना महत्वपूर्ण है.इसके लिए जरूरी है कि हम उचित पोषण लें. उचित पोषण से तात्पर्य है कि ऐसा भोजन जिसके सभी पोषक तत्व होने के साथ ही दिमाग को शांति और सकारात्मकता भी दी जाए. स्वस्थ भोजन उम्र बढने से संबंधित संज्ञानात्मक गिरावट की दर को धीमा कर देता है और मनोभ्रंश के विकास के जोखिम को कम करता है. दूसरी तरफ, कुछ ऐसे खाद्य पदार्थ भी हैं जो आपके मस्तिष्क के सबसे खराब हैं. बहुत बार कम हो जाता है और आपको भ्रम, कम मनोदशा और धीमी प्रतिक्रिया समय का अनुभव यदि आप जानते हैं कि आपके पास कुछ बुरी आदतें हैं, तो यह उन्हें सही करने का उचित समय है. आपका मस्तिष्क एक बार में एक बड़े पैमाने पर आहार ओवरहाल की तरह नहीं है, और भले ही आप इसे सही विकल्प जानते हों, आप इसे बनाए रखने के लिए संघर्ष करेंगे. आज हम आपको कुछ फूड्स के बारे में बता रहे हैं जिन्हें शायद आप अपनी डाइट में लेते हों, जबिक यह आपके स्वास्थ्य और मस्तिष्क के लिए बिल्कुल भी नहीं है. ऐसे फूड्स को जितनी जल्दी हो अपनी डाइट से हटा दें. • **ट्रांस फैट:**- ऐसा नहीं है कि सभी

तरह के फैट्स आपके स्वास्थ्य के लिए खराब होते हैं लेकिन यह सच है कि ट्रांस फैट का सेवन बिल्कुल नहीं करना चाहिए. ट्रांस फैट नामक एक विशेष प्रकार का वसा मस्तिष्क पर हानिकारक प्रभाव डालता है. ट्रांस वसा स्वाभाविक रूप से माँस और डेयरी सहित पशु उत्पादों में पाए जाते हैं, लेकिन यहाँ तक कि ये उतने समस्याग्रस्त नहीं हैं जितना कि औद्योगिक रूप से उत्पादित ट्रांस वसा जो सभी प्रकार के पैक किए गए खाद्य पदार्थों में पंप होते हैं. इसके अलावा यह हाइड्रोजनीकृत तेल के रूप में भी जाना जाता है. जो लोग मार्जरीन, स्टोर-खरीदा बेक्ड सामान, चिप्स और पटाखे, जमे हुए और डिब्बाबंद भोजन का अधिक सेवन करते हैं उनके शरीर में ट्रांस वसा अधिक जमा होता है. यह अल्जाइमर और डिमेंशिया के लिए जिम्मेदार होता है. • शुगर **ड्रिंक्स:**- शुगर ड्रिंक्स यानि कि मीठे पेय पदार्थ जैसे सोडा, स्पोर्ट्स ड्रिंक, एनर्जी ड्रिंक और यहाँ तक कि फलों के जूस में पोषक तत्वों की मात्रा कम होती है. शर्करा युक्त पेय के नियमित सेवन से शारीरिक दुर्बलताएं हो सकती हैं, जिसमें टाइप 2 मधुमेह, उच्च रक्तचाप, उच्च कोलेस्ट्रॉल और अल्जाइमर रोग के साथ मनोभ्रंश भी शामिल हैं. फल शर्करा का एक

देते हैं. दरअसल रिफाइनिंग प्रक्रिया में फाइबर अनाज से पूरी तरह से बाहर हो जाता है. परिष्कृत कार्ब्स से भरपूर भोजन एक उच्च ग्लाइसेमिक लोड का प्रतिनिधित्व करता है जो आपके रक्त शर्करा को बढ़ाता है. यह सभी समान मुद्दों का कारण बनता है जैसे कि आपने सीधे चीनी खाई थी, जिसमें स्मृति हानि, सूजन, और डिमेंशिया विकसित होने का अधिक जोखिम था. अध्ययनों से पता चला है कि जो बच्चे परिष्कृत कार्बोहाइड्रेट में उच्च आहार लेते हैं वे अशाब्दिक बुद्धि परीक्षणों पर कम स्कोर करते हैं. और बुजुर्ग लोग जो परिष्कृत कार्ब्स में अपने दैनिक कैलोरी का 58% से अधिक लेते हैं, उन लोगों की तुलना में मानसिक कमजोरी और मनोभ्रंश का

जोखिम दोगुना होता है जो अधिक साबुत अनाज, फल और सब्जियाँ खाते हैं. एल्कोहल:- यह शायद कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि अल्कोहल मस्तिष्क को नुकसान पहुँचा सकती है. शराब के लगातार सेवन से मस्तिष्क सिकुड़ जाता है और न्यूरोट्रांसमीटर को बाधित करता है जिसका उपयोग आपका मस्तिष्क संवाद करने के लिए करता है. शराबियों को भी अक्सर विटामिन बी 1 की कमी का अनुभव होता है, जो कोर्साकॉफ सिंड्रोम के विकास को जन्म दे सकता है. यह सिंड्रोम गंभीर मस्तिष्क क्षति के लिए जिम्मेदार है जो स्मृति हानि, भ्रम, अस्थिरता और आँखों की रोशनी के रुक-रुक कर नुकसान का कारण बनता है. • एस्पार्टेम:- दुर्भाग्य से, कृत्रिम स्वीटनर के साथ इसे प्रतिस्थापित करके बहुत अधिक चीनी के नुकसान से बचना संभव नहीं है- विशेष रूप से एस्पार्टेम नहीं. जबिक इस चीनी विकल्प के निर्माता यह दावा करते हैं कि यह सुरक्षित है, कई अध्ययनों ने एस्पार्टेम को व्यवहारिक और संज्ञानात्मक समस्याओं से जोड़ा है. एक रासायनिक तनाव के रूप में, यह भावनाओं को सीखने और विनियमित करने की क्षमता पर घातक प्रभाव पैदा कर सकता है. एक अध्ययन में, उच्च-एस्पार्टेम आहार के सिर्फ

8 दिन प्रतिभागियों के मानसिक परीक्षणों पर कम स्कोर करते हैं और बूट के लिए अधिक चिड़चिड़ा और उदास महसूस करते हैं. एक अन्य अध्ययन से पता चला है कि जो लोग बहुत सारे शीतल पेय पीते हैं, जो चीनी को कृत्रिम स्वीटनर से बदल्ते हैं, उनमें मनोभ्रंश या स्ट्रोक का खतरा बढ़ जाता है. अभी के लिए, एफडीए का कहना है कि एस्पार्टेम सुरक्षित है, लेकिन इसमें शामिल उत्पादों पर चेतावनी लेबल को



उच्च सेवन, एक मेगा-केंद्रित स्वीटनर जो कई शर्करा पेय में पाया जाता है जो सीखने की क्षमता, स्मृति, समग्र मस्तिष्क समारोह और मस्तिष्क में नए न्यूरॉन्स के गठन को कम करता है. इससे मस्तिष्क में सुजन भी बढ़ सकती है, जो सभी प्रकार के मस्तिष्क कार्यों को नकारात्मक रूप से प्रभावित करती है. • रिफाइंड **कॉर्बोहाइड्रेट:**− रिफाइंड कॉर्बोहाइड्रेट प्रोसेस्ड अनाज के साथ बनाए गए उत्पाद हैं. भले ही यह उतने मीठे

BDR फार्मा ने COVID-19 दवा 2-DG. के उत्पादन के लिए DRDO के साथ लाइसेंस समझौता किया

Purchase online: www.omnipotentspharma.com

# व कृष्ण जन्माष्टमी आपकी बीमारियाँ भी बन सकती हैं, सिरदर्द कारण, जानें लक्षण और समाधान

सभी देशवासियों को

महाशिवरात्रि

स्वतंत्रता दिवस, रक्षाबंघन

आज की बिजी लाइफ में सिरदर्द की समस्या बेहद आम हो गई हैं. ऐसे लोग बेहद कम ही होंगे, जो सिरदर्द की समस्या को गंभीरता से लेते हो. अमूमन लोग खुद से दवाई का सेवन कर लेते हैं. लेकिन क्या आप जानते हैं कि बार-बार एक ही जगह होने वाला सिरदर्द एक संकेत हैं कि आपको अन्य भी कुछ गंभीर बीमारियां हो सकती हैं. तो चलिए जानते हैं सिरदर्द देता है संकेत:- सरोज सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल के न्यूरोलॉजी डिपार्टमेंट के एचओडी व सीनियर कंसल्टेंट डॉ. जयदीप बंसल कहते हैं कि बार-बार होने वाला सिरदर्द कई तरह के संकेत देता है. अगर इस पर समय रहते गंभीरता से ध्यान दिया जाए तो मनुष्य अन्य कई गंभीर बीमारियों से आसानी से बच सकता है. विशेष तौर पर, सिर के एक हिस्से पर या विशेष भाग में सिरदर्द होने का कारण अन्य बीमारी भी हो सकती है और अगर उस बीमारी को पहचानकर उसका इलाज कर दिया जाए तो सिरदर्द की समस्या खुद-ब-खुद खत्म हो जाती है. **आँखों की समस्या:-** अगर किसी व्यक्ति को सीरियस हेंडेक, सेंटल हेडेड या आँखों के ठीक उपर दर्द होता है या फिर किसी व्यक्ति को विजन में भी प्रॉब्लम होती है तो हो सकता है कि उस व्यक्ति को नेत्र संबंधी बीमारी जैसे ग्लुकोमा आदि हो. इसके अतिरिक्त जिन लोगों को चश्मा लगा होता है. उसका नंबर चेंज होने पर या आर्थराइटिस की समस्या होने पर भी व्यक्ति को सिरदर्द की शिकायत होती है. **हो सकता है साइनसिस:**- अगर किसी को सिरदर्द के साथ-साथ माथे, आँख या गालों में दर्द का अनुभव हो तो यह साइनेसिस के कारण हो सकता है. इस तरह की समस्या होने पर सिरदर्द की शिकायत होना आम है. इसके अतिरिक्त कुछ इंफेक्शन भी कभी-कभी सिरदर्द की वजह बन जाते हैं. **महिलाएँ रखें ध्यान:**- अक्सर महिलाओं को तेज सिरदर्र या अक्सर लेकिन नियमित क्रम में सिरदर्द की समस्या होती है, जिसे वह नजरअंदाज करती हैं. डॉ॰ बंसल कहते हैं कि महिलाओं में सिरदर्द कई कारणों से हो सकता है. मसलन, अगर कोई महिला कॉन्टासेप्टिव पिल्स या हार्मोनल पिल्स का सेवन कर रही है या फिर किसी महिला की डिलीवरी या अबार्शन हुआ हो और उसे सिरदर्द की शिकायत हो तो उसे कोरटिकल वीनस थ्रोम्बोसिस हो सकता है. यह एक ऐसी स्थिति होती है, जिसमें सेरेब्रल नस में ब्लड क्लाट्स बनने शुरू हो जाते हैं. यह नस मुख्य रूप से दिमाग से रक्त को वापिस लाने का कार्य करती है. इस तरह के सिरदर्द को बिल्कुल भी नजर. अंदाज नहीं करना चाहिए. अगर इसे जल्दी डायग्नोसिस नहीं किया जाता तो सिरदर्द के साथ-साथ दौरे आना, व्यक्ति का कोमा में जाना या फिर व्यक्ति की मौत भी हो सकती है. वहीं पुरूषों की बात हो तो उन्हें भी कोरटिकल वीनस थ्रोम्बोसिस या सेरेब्रल वीनस थ्रोम्बोसिस हो सकता है, हालांकि उन्हें अपेक्षाकृत यह समस्या कम होती है. पुरूषों में सीवीटी अर्थात कोरटिकल वीनस थ्रोम्बोसिस का मुख्य कारण निर्जलीकरण व विभिन्न प्रकार के प्रोटीन की कमी होता है. कहीं लिबाईल हाइपरटेंशन तो नहीं:- कुछ लोगों को भले ब्लड प्रेशर की शिकायत न हो लेकिन अगर फिर भी कभी-कभी अगर ब्लड प्रेशर एकदम से बहुत ज्यादा हो जाए तो व्यक्ति को तेज सिरदर्द का अनुभव होता है. इसे आमतौर पर, लिबाईल हाइपरटेंशन के नाम से जाना जाता इसलिए अगर व्यक्ति को बार-बार सिरदर्द हो तो बीच-बीच में व बारंबार ब्लड प्रेशर मॉनीटर करते रहना चाहिए और अगर ब्लड प्रेशर उच्च हो तो डॉक्टर की सलाह पर दवाई का सेवन किया जा सकता है. लिबाईल हाइपरटेंशन की पहचान करना आसान नहीं होता क्योंकि इसमें एक बार ब्लड प्रेशर के बहुत अधिक बढ़ जाने के बाद वापिस लौट आता है. ऐसे में ब्लड प्रेशर की मॉनिटरिंग ही इसकी पहचान का एकमात्र तरीका है. आमतौर पर लिबाईल हाइपरटेंशन का मुख्य कारण तनाव व चिंता होता है और दवाईयों के अतिरिक्त धूम्रपान छोड़कर, कैफीन, नमक व अल्कोहल का सेवन सीमित करके इससे बचा जा सकता है.**अगर हो मधुमेह:-** अगर किसी व्यक्ति को पहले से ही मधुमेह है और उसे लगातार सिरंदर्द की समस्या व आई प्रॉब्लम हो रही है तो यह संकेत है कि उसके रक्त में शर्करा का स्तर बढ़ गया है. इसलिए ऐसे व्यक्ति को हेडेक होने पर ब्लड शुगर की जाँच अवश्य करवानी चाहिए. ब्रेन **ट्यूमर का संकेत:**- आपको शायद पता न हो लेकिन बार-बार और तेजी से होने वाला सिरदर्द ब्रेन ट्यूमर का प्रमुख लक्षण है. सुबह-सुबह होने वाला सिरदर्द ब्रेन ट्यूमर का संकेत देता है. दरअसल, इंटराक्रेनियनल प्रेशर; आईआईसीपीद्ध के लगातार बढ़ने से मस्तिष्क पर दबाव की मात्रा काफी बढ़ जाती है और इससे अत्यधिक तरल पैदा होता है. मस्तिष्क में सूजन आती हैं या एक गाँठ बन जाती है. जो ब्रेन ट्यूमर का कारण हो सकता हैं. ब्रेन ट्यूमर होने पर सिरदर्द के साथ चक्कर आना व आँखों के सामने धुंधला भी दिखाई देता है. **गिरने को न करें नजरअंदाज:-** डॉ॰ बंसल के अनुसार, अगर कोई वृद्ध व्यक्ति कहीं गिर जाता है या चोटिल हो जाता है और उसे सिरदर्द होता है तो उसे गंभीरता से लिया जाना बेहद आवश्यक है. दरअसल, इस स्थिति में उसे सबड्यूरल हिमेटोमा नाम ब्रेन इंजरी होने की संभावना बढ़ जाती है. कभी-कभी ऐसा होता है कि व्यक्ति चोट लगने के बाद सीटी स्कैन कराता है और उसमें सब कुछ सामान्य आता है लेकिन कुछ दिन बाद सिरदर्द शुरू हो जाता है. ऐसा इसलिए होता है क्योंकि चोट लगने के पश्चात मस्तिष्क में से ब्लड का रिसाव शुरू हो जाता है, जो धीरे-धीरे इकट्टा होता है. सबड्यूरल हिमेटीमा मे रक्त मस्तिष्क के चारों ओर उतकों के परतों के बीच एकत्र होता है. यह स्थान खोपड़ी के नीचे और मस्तिष्क के बाहर होता है. जैसे ही रक्त जमा होता है, मस्तिष्क पर दबाव बढ़ने लगता है. जिससे व्यक्ति को सिरदर्द का अहसास होता है. इसलिए अगर चोट लगने के बाद सिरदर्द लगातार बना रहे तो एकबार सीटी स्कैन अवश्य करवा लेना चाहिए. इसे नजरअंदाज करने पर व्यक्ति को पैरालिसिस, दौरे पड़ने, बेहोशी या मनुष्य की मृत्यु भी हो सकती है.

#### नहीं है लेकिन ये आपके शरीर में बहुत मीठा कर भी अनिवार्य करता है.

से लाइसेंस प्राप्त करने और अपने COVID उत्पाद की पेशकश में 2-Deoxy-D-Glucose जोड़ने की खुशी है। इस व्यवस्था का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना

है कि यह दवा अधिक से अधिक योग्य भारतीय रोगियों तक पहुंचे जो विनाशक.

ारी महामारी से पीड़ित हैं। बीडीआर फार्मास्युटिकल्स के सीएमडी धर्मेश शाह ने एक बयान में कहा, 'हमारा उद्देश्य सफल उपचार की उपलब्धता को बढाना और

बीडीआर फार्मा ने कोविड-19 दवा 2-डीजीबीडीआर फार्मा के उत्पादन के लिए डीआरडीओ के साथ लाइसेंस समझौता किया, उसने रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) के साथ कोविड-19 दवा 2-डीऑक्सी के निर्माण, वितरण और विपणन के लिए एक लाइसेंस समझौता किया है। डी-ग्लूकोज (2-डीजी) देश में। बीडीआर फार्मा ने देश में 2-डीजी के निर्माण, वितरण और विपणन के लिए रक्षा अनुसंधान और विकास प्रतिष्ठान (डीआरडीई) और डीआरडीओ के परमाणु चिकित्सा और संबद्ध विज्ञान संस्थान (आईएनएमएएस) के साथ एक समझौता किया है। पिछले महीने, ड्रग कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया (DCGI) ने हल्के से गंभीर COVID-19 रोगियों में सहायक चिकित्सा के रूप में आपातकालीन उपयोग के लिए मौखिक दवा को मंजूरी दी थी। 'हमें DRDO

विनिर्माण का समन्वय करना है ताकि बीमारी से लड़ने वाले लोगों को दवाआ. की कमी न हो।' उन्होंने कहा कि कंपनी को लगता है कि COVID-19 थेरेपी विकल्पों की पहचान और विकास को व्यापक और गहरा करके, यह सहयोग अधिक अप्राप्य चिकित्सा आवश्यकताओं को पूरा कर सकता है, उन्होंने कहा। दवा निर्माता ने कहा कि उत्पाद की कीमत प्रतिस्पर्धात्मक रूप से होगी और यह एक पाउच में पाउडर के रूप में उपलब्ध होगा जिसे पानी में घोलने के बाद मौखिक रूप से सेवन किया जा सकता है। मुंबई स्थित कंपनी ने उल्लेख Knee & Ankle Support

किया कि उसने भारत में COVID-19 रोगियों के इलाज के लिए ड्रग Body Belts & Braces 2-डीजी के निर्माण के लिए प्रतिबंधित आपातकालीन उपयोग प्राधिकरण के Fracture Aids लिए ड्रग कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया (DCGI) को पहले ही आवेदन कर दिया है। 2-डीजी दवाओं के विकास के लिए, डीआरडीओ ने हाल ही में Cervical Aids चार प्रमख भारतीय जेनेरिक दवा उत्पादकों के साथ समझौतों पर हस्ताक्षर Fingers, Wrist & Arm Supports किए हैं। DRDE ने 2-DG का उत्पादन किया था और क्त्क लैब INMAS द्वारा डॉ रेड्डीज लैबोरेटरीज के सहयोग से नैदानिक परीक्षण किए गए थे। चरण- II और चरण-IIb परीक्षणों में सकारात्मक प्रतिक्रिया प्राप्त करने के बाद, DCGI ने नवंबर 2020 में 2-DG चरण-III परीक्षणों की अनुमति

A wide range of products available for Third Party & PCD marketing

Oral Liquids & Dry Syrup Eve Drops, Ear Drops & Nasal Drops

Wide range of Skin Care Cosmetics

Vaccines & Pre Filled Syringes



<u>forgo</u>

Pharmaceuticals (P) Ltd.





















Corporate Office: Plot No. 92, Ind. Area Phase-I, Panchkula Haryana 134113 Mfg. Unit Forgo Pharmaceuticals (GMP/GLP/WHO Certified Unit) (AN ISO 9001: 2015 Certified Company

27, DIC IND AREA, Barotiwala, Teh: Baddi, Distt. Solan (HP) Email: helpdesk for go@yahoo.com/for gopharmaceutical@yahoo.co.inContact Detail: 0172-2569292 / 2568292 / 9814924737 / 7696099905 / 9877640753 / 9569569292

नासिक- तालुका में बारिश के बाद स्वास्थ्य निगरानी नासिक: नासिक जिला परिषद स्वास्थ्य विभाग ने जिले के सभी 15 तालुकों के स्वास्थ्य अधिकारियों को हाल ही में हुई भारी बारिश के बाद स्वास्थ्य निगरानी शुरू करने के लिए अपने फील्ड स्टाफ को शामिल करने का निर्देश दिया है। जिला पंचायत के अधिकारियों ने कहा कि उन्हें जमा पानी को हटाने, पीने के पानी की गुणवत्ता की जांच करने और निवा. सियों के बीच पानी और वेक्टर जनित बीमारियों के बारे में जागरूकता पैदा करने सिहत सभी निवारक उपाय करने होंगे। जिला मलेरिया कार्यालय के अधिकारियों ने कहा कि तालुका के स्वास्थ्य अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि वे अपने-अपने क्षेत्र में डेंगू या चिकनगुनिया की जांच के लिए निगरानी करें। संबंधित गांवों के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों (पीएचसी) से जुड़े स्वास्थ्य कर्मियों ने लक्षणों वाले रोगियों की जांच के लिए घर का दौरा करना शुरू कर दिया है। लक्षणों वाले लोगों को पीएचसी में भेजा जाता है, जहां आगे की जांच के लिए उनके रक्त के नमूने लिए जाते हैं तािक यह पता लगाया जा सके कि वे चिकनगुनिया, डेंगू आदि से पीड़ित हैं या नहीं। सुरगना तालुका स्वास्थ्य अधिकारी दिलीप रणवीर ने कहा, "जिला स्वास्थ्य विभाग और जिला मलेरिया कार्यालय के निर्देशों के अनुसार, हमने पहले से ही पोखर और अन्य साइटों का इलाज शुरू कर दिया है, जहां दवाओं के साथ पानी जमा हो गया है ताकि मच्छरों का प्रजनन न हो। संबंधित गांवों के स्वास्थ्य कर्मियों ने भी लोगों के बीच जागरूकता फैलाना शुरू कर दिया है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि पानी उनके घरों में और उसके आस-पास फेंके गए बर्तनों, टायरों आदि में जमा न हो।

दी। दूसरे चरण के परीक्षण, जो दिसंबर 2020 से मार्च 2021 तक चलें, ने

220 रोगियों को नामांकित किया। अस्पतालों में COVID-19 रोगियों की

रिकवरी में तेजी लाने और COVID-19 रोगियों में पूरक ऑक्सीजन की

आवश्यकता को कम करने के लिए दवा की खोज की गई थी।

#### गर्भावस्था में विटामिन ए की कमी बच्चे में अल्जाइमर का जोखिम बढाती है

टोरंटो:- गर्भावस्था के दौरान माँ द्वारा पर्याप्त विटामिन ए नहीं लेने से बच्चे को भविष्य में अल्जाइमर होने का खतरा बढ़ सकता है. वैज्ञानिकों ने जताया है कि यह संज्ञात्मक विकार बच्चे में गर्भावस्था के दौरान या जन्म के ठीक बाद शुरू हो सकता है. यह शोध उस चुहिया पर किया गया जिसमें आनुवांशिक परिवर्तन किए गए थे. इसमें चुहिया के हाल ही में जन्मे बच्चों को विटामिन ए के कम स्तर वाले पूरक दिए गए और पाया कि यह मस्तिष्क विकार की प्रक्रिया को धीमा करने मैं प्रभावी है. कनाडा में युनिवर्सिटी ऑफ ब्रिटिश कोलंबिया में प्रोफेसर वेहांग सांग ने कहा, ''हमारा शोध बताता है कि विटामिन ए की गंभीर कमी, यहाँ तक कि गर्भावस्था के दौरान, भी मस्तिष्क के विकास पर खराब प्रभाव डालती है और इसके दीर्घकालीन प्रभाव आगे जाकर अल्जाइमर रोग का जोखिम पैदा कर सकते हैं.

ग्रामीणों को सप्ताह में एक बार 'शुष्क दिवस' मनाने के लिए भी कहा

Conference

International Conference on Medical Health Science, Pharmacology & Bio **Technology** 

Date 05-Aug-2021 Timings 09:00 AM - 06:00 PM Location Ghaziabad, India Participants 2000 - 5000 Category Medical & Pharma Science & Research Website www.issrd.org Mail: papers.issrd@gmail.com Call: +91 9777755483 Whatsapp: +91 9777755483

Conference

**International Conference on** Medical and Biological Engineering

Date 06-Aug-2021 Timings 09:00 AM - 06:00 PM Location: Vadodara, India Participants 500 - 1000 **Delegates** 

Website: www.technoarete.com Phone No.: +91 8280862844

papers.techno@gmail.com

Conference

**International Conference on** Recent advancement in Medical Education, Nursing, and Health Sciences

Date 06th August 2021 Timing 09:00 AM - 06:00 PM Location Hotel Siddharth Inn, Ludhiana,India

Participants 500 - 1000 website www.irfconference.org

info.irfconference@gmail.com Contact No. +91-8763630137

Conference

**International Conference on Biological and Medical Sciences** 

Date **06 Aug 2021** Timinig 09:00 AM - 06:00 PM Location Nagpur,India Participants 500 - 1000 website:- www.arsss.org Email: info.arsss@gmail.com Contact No.: +91 9937054932

Trade Show

**Indian Pharma Expo** Location Pragati Maidan, New Delhi, India

Date: 06 - 07 Aug 2021 Timing: 10:00 AM - 6:00 PM Participants 10000 Visitors 150 Exhibitors Website www.indianpharmaexpo.com

Email: ipe@cims.co.in Mobile: +91 9819224222

Conference

**International Conference on Medical and Health Sciences** 

Date **07 Aug 2021** Location Hotel Palacio De Goa, Panjim, India

Timming 09:00 AM - 06:00 PM Participants 500 - 1000

Delegates Website www.academicsconference.com

Email: papers.academicsconference@gmail.com Phone No. +91-8280047487

Conference

**International Conference on** Recent advancement in Medical Education, Nursing, and Health Sciences

Date **07 Aug 2021** Location Hotel Sonas Inn Chennai, Chennai, India Timings 09:00 AM - 06:00 PM Participants 500 - 1000

**Delegates** Website:

www.irfconference.org Email:

info.irfconference@gmail.com Contact: +91-8763630137

#### एपी की 104 टेलीमेडिसिन सेवा ने 10 लाख परामर्शों को पार किया

विशाखापत्तनमः 104 कॉल सेंटर, आंध्र प्रदेश में सभी कोविड -19 संबंधित प्रश्नों और मुद्दों के लिए एक-स्टॉप समाधान, ने 10 लाख टेलीकंसल्टेशन मील का पत्थर पार कर लिया है। पुर्नोत्थान केंद्र ने अप्रैल से दूसरी लहर में कोविंड -19 सेवाओं की पेशकश शुरू कर दी थी, जबिक मई में टेलीकंसल्टेशन सेवाएं

राज्य के स्वास्थ्य विभाग ने इस केंद्र के माध्यम से उनके लक्षणों और निदान के आधार पर संदिग्ध मामलों के आभासी परीक्षण के लिए 1,132 विशेषज्ञों सहित 5,523 डॉक्टरों को लाया है। ये डॉक्टर कोविड -19 रोगियों को बुलाएंगे जिन्होंने होम आइसोलेशन का विकल्प चुना और उन्हें दवाओं और उपचार के बारे में मार्गदर्शन किया। वे परीक्षण और अन्य उपायों पर संदिग्ध मामलों की सलाह भी देंगे। होम आइसोलेशन में मरीजों के स्वास्थ्य में किसी भी तरह की गिरावट के मामले में, डॉक्टर उन्हें या तो नामित अस्पतालों या कोविड देखभाल केंद्रों में रेफर करेंगे। स्वास्थ्य विभाग ने इन डॉक्टरों को कोविड

प्रोटोकॉल पर प्रशिक्षण और वेबिनार आयोजित किए, और उनके लिए एक समर्पित एप्लिकेशन बनाया

जब इनबाउंड कॉल की बात आई, तो कॉल सेंटर के अधिकारियों को परीक्षण केंद्रों, परीक्षणों की स्थिति अस्पतालों और कोविड देखभाल केंद्रों में बेड की उपलब्धता से संबंधित जानकारी प्रदान करने और कोविद -19 परीक्षण और अस्पताल / देखभाल केंद्र के लिए अनुरोध करने का काम सौंपा गया। प्रवेश। इन सभी उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए, जिला कॉल सेंटरों को भी समर्पित फोन लाइनों के साथ पुरी तरह से सिक्रिय कर दिया गया है और चौबीसों घंटे काम करने के लिए पर्याप्त जनशक्ति की नियुक्ति की गई है।

मई में महामारी के चरम पर, केंद्र को एक दिन में औसतन 15,000 कॉल मिले। कम केस संख्या के अनुरूप, दैनिक कॉल अब घटकर

1,000 से नीचे हो गए हैं। अधिकारियों के मुताबिक राज्य के 104 कॉल सेंटर में तीन शिफ्ट में करीब 180 लोग काम कर रहे हैं. डॉक्टरों द्वारा वर्चुअल ट्राइएजिंग के अलावा, मरीजों को अस्पतालों में स्थानांतरित करने के लिए केंद्र ने एम्बुलेंस के साथ भी करार किया है। संपर्क ट्रेसिंग, साथ ही केंद्र के माध्यम से किया जा रहा है। स्वास्थ्य विभाग ने हाल ही में सभी शहरी स्थानीय निकायों और मंडलों में 104 कॉल सेंटर का विस्तार करने का निर्णय लिया है।

#### क्षणिकाएं

कितना भी दु:ख हो, मुस्कुराते जाओ. मन से टेंशन को, बरबस ही हटाओ.

असम्भव को, सम्भव कर पाना. अन्तिम क्षण तक, कर्म करते जाना.

जब बच्चा, चल पाता है. माँ का मन, आसमान छू जाता है. भरोसा तो, करते जाओ.

> पर धोखा, मत खाओ. कुछ अच्छा, तो वाह. कुछ बुरा, तो आह.

किसी ने कमाया, खूब ही कमाया. किसी ने गंवाया, क्या लाभ पाया? सुख की सोचोगे, सुख ही मिलेगा. दु:ख की सोचोगे, दु:ख ही मिलेगा.

संघर्षों का, अंत नहीं है. विचलित होने का. समय नहीं है

सूरत और, सोच में. अंतर जानो, सत्य पहचानो,

खुश रहना, एक कला है. जो सीख ले, उसी का भला है. कल्पना तो, करते ही जाओ. सोच विचार, कर ही अपनाओ.

> वैमनस्य, हटाना है. प्यार को, बढाना है.

बीते हुए कूल, को भूल पाओ. आने वाला कूल, बेहतर बनाओ. जो अहम में, उड़ते जाते हैं. कभी न कभी, नीचे भी आते है.

निज व्यथा, स्वयं सुलझाओ. निश्चित ही सफलता पाओ. डॉ॰ नरेन्द्र नाथ लाहा, ग्वालियर (म॰प्र॰), मो॰ 9753698240.

#### भारत बायोटेक प्रतिरक्षण कार्यक्रम के लिए केंद्र को कोवैक्सिन की 500 मिलियन ख़ुराक की आपूर्ति करने के लिए प्रतिबद्ध है

हैदराबाद: भारत बायोटेक ने शुक्रवार को कहा कि उसने देश भर में टीकाकरण कार्यक्रम के तहत केंद्र को अपने COVID-19 वैक्सीन कोवैक्सिन की 500 मिलियन से अधिक खुराक की आपर्ति करने के लिए प्रतिबद्ध किया है। भारतीय उद्योग परिसंघ द्वारा आयोजित एक आभासी सम्मेलन में बोलते हुए, शहर स्थित वैक्सीन निर्माता की संयुक्त प्रबंध निदेशक, सुचित्रा एला ने कहा कि चार शहरों - हैदराबाद, बेंगलुरु, पुणे और अंकलेश्वर में कंपनी की सुविधाएं वर्तमान में कोवैक्सिन का उत्पादन कर रही हैं। ष्संक्षेप में अगर मुझे आपको बताना है, तो यह अप्रैल 2020 से जून 2021 तक कोवैक्सिन की यात्रा है। और यह अभी भी जारी है क्योंकि हम निर्माण जारी रखते हैं, इसके प्रतिरक्षण कार्यक्रम के लिए भारत सरकार को जमा करने के लिए 50 करोड़ (500 मिलियन) से अधिक खुराक की प्रतिबद्धता लेते हुए, ष्डसने कोवैक्सिन की यात्रा का वर्णन करते हुए कहा।

स्वास्थ्य राज्य मंत्री भारती प्रवीण पवार ने मंगलवार को संसद में कहा था कि जनवरी से 16 जुलाई तक भारत बायोटेक द्वारा कोवैक्सिन की 5.45 करोड़ (54.5 मिलियन) खुराक और सीरम इंस्टीट्यूट द्वारा कोविशील्ड की 36.01 (360 मिलियन) करोड़ खुराक की आपूर्ति की गई है। भारत के केंद्र के लिए।

सुचित्रा एला ने कहा कि चरण 3 के परीक्षणों के डेटा को डूग कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया को इसके अवलोकन के लिए प्रस्तुत किया गया है और कई कोरोनोवायरस वेरिएंट के खिलाफ टीके



## ADMISSION OPEN

For Session 2021-22 in D. Pharma

## V.S. College of Pharmacy

(Aff. to BTE Lucknow & Approved by PCI & AICTE)

A Unit of Medical Darpan Media House Group

10 KM Syana Road Nagla Karan, Bulandshar (U.P.)

Mob.: +91 9412227436, +91 7017305924

E-mail: vspharmacycollege@gmail.com

की प्रभावकारिता का भी परीक्षण किया गया था। भारत बायोटेक ने हाल ही में जैब के अंतिम विश्लेषण की घोषणा करते हुए कहा कि Covaxin ने रोगसूचक ब्टप्य-19 के खिलाफ 77.8 प्रतिशत प्रभावशीलता और B-1-617-2 डेल्टा संस्करण के खिलाफ 65.2 प्रतिशत सुरक्षा का प्रदर्शन किया।

इसने कहा था कि प्रभावकारिता विश्लेषण गंभीर रोगसूचक सीओवीआईडी -19 मामलों के खिलाफ कोवैक्सिन्टो 93.4 प्रतिशत प्रभावी है। एमडी ने आगे कहा कि जब न केवल COVID-19 के लिए टीकों की बात आती है, तो भारत में, कुछ अन्य देशों की तुलना में, बड़ी संख्या में टीकों का उत्पादन करने की क्षमता अधिक होती है।

#### ब्राजील ने भारत बायोटेक के कोवैक्सिन का क्लिनिकल परीक्षण स्थगित किया

हैदराबाद स्थित कंपनी द्वारा शुक्रवार देर रात अपने साथी के साथ समझौते को समाप्त करने के बाद ब्राजील ने भारत बायोटेक के कोविड -19 वैक्सीन, कोवैक्सिन के नैदानिक परीक्षणों को निलंबित कर दिया है। ब्राजील के स्वास्थ्य नियामक अंविसा ने कहा, 'एनविसा (कोपेक / जीजीएमईडी) में नैदानिक अनुसंधान के समन्वय ने इस शुक्रवार (23/7) को ब्राजील में कोवैक्सिन वैक्सीन के नैदानिक अध्ययन के एहतियाती निलंबन का निर्धारण किया। यह निलंबन भारतीय कंपनी भारत बायोटेक लिमिटेड इंटरनेशनल के एक बयान के परिणामस्वरूप किया गया था, जिसे शुक्रवार जुलाई) को आंविसा को भेजा गया था। भारत ने सूचित किया कि कंपनी नेसिडेड अब ब्राजील में भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए अधिकृत नहीं है, जो अंविसा के आकलन में अध्ययन को अंजाम देना असंभव बनाता है। भारत कोवैक्सिन वैक्सीन का निर्माता है।' देर रात, भारत बायोटेक ने ब्राजील में कोवैक्सिन को पेश करने के लिए ब्राजील में भारत बायोटेक के भागीदारों प्रीसीसा मेडिकैमेंटोस और एनविक्सिया फार्मास्यटिकल्स एलएलसी के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) को समाप्त कर दिया। Precisa Medicamentos ब्राजील में Bharat Biotech की पार्टनर थी. जो ब्राजील में तीसरे चरण के क्लिनिकल परीक्षण के लिए नियामक सबिमशन, लाइसेंस, वितरण, बीमा और संचालन के साथ सहायता और सहायता प्रदान कर रही थी। कंपनी ने उक्त एमओयू को तत्काल प्रभाव से समाप्त कर दिया है। इस तरह की समाप्ति के बावजूद, भारत बायोटेक कोवैक्सिन के लिए नियामक अनुमोदन प्रक्रिया को पूरा करने के लिए ब्राजील की दवा नियामक संस्था ANVISA के साथ लगन से काम करना जारी रखेगा, "कंपनी ने शुक्रवार को कहा था। एमओयू की समाप्ति तब हुई जब ब्राजील सरकार के साथ वैक्सीन की 20 मिलियन खुराक की आपर्ति के लिए सौदा विवाद में आ गया। पिछले महीने, ब्रा. जील सरकार जो पहले कोवैक्सिन की 20 मिलियन खुराक खरीदने के लिए सहमत हुई थी, ने सौदे में अनियमितताओं के आरोपों के बाद अनुबंध को निलंबित कर दिया था।

समबुद्धि युक्त मनुष्य इस जीवन में ही अच्छे तथा बुरे कार्यो को त्याग देता है. अत: योग में लग जाओ क्योंकि कर्म बन्धन से छुटने का यही कार्य-कौशल है.



## कोविड प्रबंधन में सहायक उपाय के रूप में कोरोनिल का उपयोग करने के लिए दी गई स्वीकृति:

स्वास्थ्य राज्य मंत्री

उत्तराखंड राज्य लाइसेंसिंग प्राधिकरण ने आयष मंत्रालय द्वारा गठित एक समीक्षा समिति की सलाह के बाद इलाज का दावा किए बिना सीओवीआईडी -19 के प्रबंधन में सहायक उपाय के रूप में इस्तेमाल किए जाने वाले कोरोनिल टैबलेट के लिए लाइसेंस प्रदान किया है, लोकसभा को शक्रवार को सचित किया गया था।

स्वास्थ्य राज्य मंत्री भारती प्रवीण पवार ने एक लिखित जवाब में कहा कि आयुष मंत्रालय द्वारा गठित इंटरडिसिप्लिनरी टेक्निकल रिव्यू कमेटी (ITRC) ने पतंजिल रिसर्च फाउंडेशन ट्रस्ट द्वारा षेदव्य कोरोनिल टैबलेंट के लिए आयुष लाइसेंस को अपडेट करनेष् के लिए जमा किए गए आवेदन की समीक्षा की। 'इम्युनिटी बुस्टर' से 'COVID-19 की दवा' तक। समिति ने सुझाव दिया कि टैबलेट का इस्तेमाल कोविड प्रबंधन में सहायक उपाय के रूप में किया जा सकता है। 'इस मंत्रालय को पतंजिल रिसर्च फाउंडेशन ट्रस्ट, हरिद्वार, उत्तराखंड द्वारा प्रस्तुत ''दिव्या कोरोनिल टैबलेट के लिए इम्युनिटी बुस्टर से मेडिसिन के लिए आयुष लाइसेंस के लिए आयुष लाइसेंस का अद्यतन'' शीर्षक से इस मंत्रालय को 27 अक्टूबर, 2020 को आईटीआरसी के समक्ष रखा गया था। नए संकेतों के साथ पेटेंट और औचित्य (पी एंड पी) एएसय एंड एच दवाओं पर आवेदन / दावे या सीओवीआईडी -19 के लिए लाइसेंसे प्राप्त पी एंड पी, एएसयू एंड एच दवाओं के पुनर्प्रयोजन, "पवार ने अपने जवाब में कहा। 'आईटीओरसी ने अध्ययन की समीक्षा की और यह सझाव दिया गया कि इसे कोविड में एक सहायक उपाय के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है। राज्य लाइसेंसिंग प्राधिकरण को यह भी सूचित किया गया था कि कोरो. निल टैबलेट को इलाज का दावा किए बिना COVID-19 के प्रबंधन में सहायक उपाय के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है,' उसने जोड़ा। MoS इस सवाल का जवाब दे रहा था कि क्या केंद्र ने COVID-19 के इलाज में पतंजिल आयुर्वेद के कोरोनिल के लाइसेंस को 'इम्युनिटी बुस्टर' से 'सहायक उपाय' में अपग्रेंड किया है और इसके विवरण के साथ-साथ डेटा / अध्ययन के आधार पर ऐसा किया है। एक उन्नयन को मंजूरी दी गई थी। उन नियमों के बारे में बताते हुए जिनके तहत इस तरह की मंजूरी दी गई थी, पवार ने कहा कि आयुर्वेदिक, सिद्ध, यूनानी और होम्योपैथी दवाओं के लाइसेंस और अनुमोदन के लिए नियामक प्रावधान ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट, 1940 और नियम 1945 के तहत निर्धारित हैं।

धारा ३ (ए) और धारा ३ (एच) सभी आयुर्वेदिक, सिद्ध, यूनानी दवाओं को परिभाषित करती है जो मानव या जानवरों में रोगों या विकार के निदान, उपचार, शमन या रोकथाम के लिए आंतरिक या बाहरी उपयोग के लिए अभिप्रेत हैं, और विशेष रूप से निर्मित हैं पहली अनुसूची में निर्दिष्ट आयुर्वेदिक, सिद्ध और यूनानी तिब्ब चिकित्सा पद्धतियों की आधिकारिक पुस्तकों में वर्णित सूत्रों के अनुसार।

राज्य लाइसेंसिंग प्राधिकरण उत्तराखंड ने आवेदक द्वारा प्रस्तुत आवेदन की जांच के बाद ड्रग कोरोनिल का लाइसेंस प्रदान किया है। राज्य लाइसेंसिंग प्राधिकरण आयुर्वेद, उत्तराखंड सरकार को सूचित किया गया था कि कोरोनिल टैबलेट का उपयोग बिना COVID-19 के प्रबंधन में सहायक उपाय के रूप में किया जा सकता है। इलाज का दावा, "मंत्री ने कहा।

## **Work More Always Smile**



Opposite City Look Hotel, Sai Road, Baddi - 173205 (H.P.) Cont. 09318628899, 098820-11313

3 वर्ष तक घर बैठे यह समाचार पत्र पढ़ने के लिये हमारे पंजाब नैशनल बैंक के खाता संख्या 1824002100120081, IFSC Code - PUNB0182400 जो कि मैडीकल दर्पण के नाम से है, में रू० 250/- जमा कर अपना पूरा पता हमारे फोन नं०- 09045029158 पर SMS कर दें।







#### महत्वपूर्ण सूचना

PRESS CARD केवल समाचार एकत्र करने के लिए होता है. प्रेस कार्ड धारक को प्रतिदिन समाच. ार भेजना आवश्यक है. प्रेस कार्ड रखने वालों को बस, ट्रेन, हवाई जहाज, टोल टैक्स आदि में कोई छट प्राप्त नहीं होगी. समाचार न भेजने वाले का प्रेस कार्ड स्वयं ही निरस्त समझा जाएगा. प्रेस कार्ड बनवाकर आप उसका किसी भी प्रकार से गैरकानूनी रूप से प्रयोग न करें अन्यथा आप दण्ड के भागी होंगे.

**Never Break Good Relation** 

मंत्री मनसुख मंडाविया ने पिछले सप्ताह "यदि किसी का स्वभाव अच्छा है तो उसे किसी और गुण की क्या जरूरत है? यदि आदमी के

पास प्रसिद्धि है तो भला उसे और किसी श्रृंगार की क्या आवश्यकता है?"

चाणक्य

मिलियन वयस्कों को टीका लगाना चाहता

जुलाई के अंत के लक्ष्य को पूरा करने के

लिए, हालांकि, अधिकारियों को तीन गुना से

अधिक औसत दैनिक टीकाकरण 14

मिलियन खुराक तक करना होगा। लेकिन

भारत बायोटेक के कोवैक्सिन वैक्सीन के

लिए नवीनतम आपूर्ति अनुमानों के आधार

पर यह संभव नहीं होगा। सरकार जुलाई या

अगस्त से मासिक रूप से 60 मिलियन से 70 मिलियन Covaxin खुराक की

डिलीवरी पर भरोसा कर रही थी। लेकिन

भारत बायोटेक इस महीने केवल 25

मिलियन खुराक की आपूर्ति करेगा और

अगस्त में 35 मिलियन दक्षिणी शहर बेंगलुरु

में एक नई उत्पादन लाइन के रूप में

ऑनलाइन आने में समय लगता है, स्वास्थ्य

#### PCD Pharma Franchise Call - Whats app @ 94160-70290 WORKETHICALLY 98884-69557 **UNDER PCD / FRANCHISE** SYSTEM OF MARKETING **WE PROVIDE** Visual-aid LBL, Request Cards, Reminder Cards Gifts, Rx Pad, Diaries **Monopoly Rights** Aaryan Healthcare Pvt. Ltd. email: healthcare.aaryan@gmail.com

#### ग्लेनमार्क लाइफ साइंसेज का आईपीओ 90 मिनट के भीतर पूरा हो जाता है

**नई दिल्ली:** ग्लेनमार्क लाइफ सा<mark>इ</mark>सेज को 1,514 करोड़ का आईपीओ जारी करने पर जोरदार प्रतिक्रिया मिली। पहले दिन ही पूरी तरह से सब्सक्राइब किया गया, खुदरा निवेशक मंगलवार, 27 जुलाई 2021 को सबसे बड़ी समूह बोली में प्रवेश करते हैं। दोपहर 12.10 बजे तक, इश्यू को 1.2 गुना सब्सक्राइब किया गया था, जिसमें कुल 1,50,18,279 शेयरों के मुकाबले 1,79,89,540 शेयरों के लिए आवेदन किया गया था। अधिकांश विश्लेषक कंपनी के भविष्य की संभावनाओं पर सकारात्मक हैं और इस मुद्दे की सदस्यता लेने का सुझाव देते हैं। उनका मानना है कि कंपनी, जो ग्लेनमार्क फार्मा का स्पिन ऑफ है, सक्रिय फार्मास्युटिकल संघटक (एपीआई) व्यवसाय में अच्छी स्थिति में है। निर्गम के बाद के को ध्यान में रखते हुए, ऊपरी मूल्य बैंड ८,८२२ करोड़ रुपये के बाजार पूंजीकरण के साथ २५.०९ के पी/ई का तात्पर्य है, जबकि इसके समकक्ष दिवि की प्रयोगशालाएं, लौरस लैब्स और शिल्पा मेडिकेयर एक पर कारोबार कर रहे हैं।

कंपनी वर्तमान में चार बहुउद्देश्यीय विनिर्माण सुविधाओं का संच. ालन करती है, जो गुजरात राज्य में अंकलेश्वर और दहेज और महाराष्ट्र राज्य में मोहोल और कुरकुंभ में स्थित लीजहोल्ड संपत्तियों पर स्थित हैं।

वित्त वर्ष २०१० में वैश्विक एपीआई बाजार लगभग १८१.३ अरब डॉलर का होने का अनुमान लगाया गया था और वित्त वर्ष २६ तक ६.२ प्रतिशत की सीएजीआर से बढ़ने की उम्मीद है। ग्लेनमार्क लाइफ के प्रमुख ग्राहकों में ग्लेनमार्क, टेवा फार्मा इंडस्ट्रीज, टोरेंट फार्मास्युटिकल्स, अरबिंदो फार्मा, क्रका आदि शामिल हैं। ऑफर का प्राइस बैंड 695-720 रुपये तय किया गया है। बिक्री के लिए उपलब्ध शेयरों में से 50 प्रतिशत योग्य संस्थागत निवेशकों के लिए, 35 प्रतिशत खुदरा के लिए और 15 प्रतिशत एचएनआई के लिए आरक्षित होंगे।

बिक्री के प्रस्ताव से प्राप्त आय बिक्री करने वाले शेयरधारकों के पास जाएगी, जबिक ताजा निर्गम की बिक्री से प्राप्त राशि का उपयोग एपीआई व्यवसाय के स्पिन-ऑफ (800 करोड रुपये) के लिए प्रमोटर को बकाया खरीद प्रतिफल के भुगतान के लिए किया जाएगा।, पूंजीगत व्यय आवश्यकताओं (153 करोड़ रुपये) और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए वित्त पोषण।

#### भारत बायोटेक पिछड्ने के कारण जुलाई के अंत में टीकाकरण लक्ष्य से चूक जाएगा भारत

NEW DELHI- भारत महीने के संसद को बताया। मंडाविया ने कहा कि आपूर्ति अंत तक आधा बिलियन से अधिक COVID-19 वैक्सीन खुराक देने की कमी 'हमारे टीकाकरण कार्यक्रम को प्रभावित नहीं करेगी'। का लक्ष्य चूक जाएगा, क्योंकि भारत बायोटेक ख्र इसके एकमात्र स्वीकृत घरेलू स्वास्थ्य मंत्रालय ने टिप्पणी के अनुरोध का शॉट के निर्माता ख्र उत्पादन को बढ़ावा देने

तुरंत कोई जवाब नहीं दिया। भारत बायोटेक र्ने इसके उत्पादन पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। सरकार अपने टीकाकरण अभियान के लिए अगस्त से दिसंबर के बीच सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (एसआईआई) से एक और टीके की 500 मिलियन खुराक और भारत बायोटेक से 400 मिलियन खुराक पर भरोसा कर रही है। भारत के दवा नियामक ने विवादास्पद रूप से भारत बायोटेक के कोवैक्सिन को जनवरी की शुरुआत में बिना प्रभावकारिता डेटा के आपातकालीन उपयोग के लिए मंजुरी दे दी। लेकिन यह सरकार को आपूर्ति की लगभग सभी प्रतिबद्धताओं से चूक गया है। रूस के स्पृतनिक वी वैक्सीन के विलंबित रोलआउट से टीकाकरण के प्रयासों को भी रोक दिया गया है। और कानूनी बाधाओं ने भारत को मॉडर्ना या फाइजर टीकों के यू.एस. दान प्राप्त करने से रोक दिया है। अप्रैल के मध्य में घरेलू मांग को पूरा करने के लिए निर्यात को रोकने के बाद, एसआईआई ने पिछले तीन महीनों में उत्पादन लगभग दोगुना कर दिया है। भारत में अब तक प्रशासित सभी वैक्सीन खुराकों में से लगभग 88% एसआईआई का कोविशील्ड शॉट है, जो एस्ट्राजेनेका वैक्सीन का एक संस्करण है। सरकार को उम्मीद है कि कंपनी अगस्त में अपने कोविशील्ड वैक्सीन की आपूर्ति जून में 100 मिलियन खुराक से बढ़ाकर लगभग 120 मिलियन खुराक कर देगी।

#### देश का COVID-19 टीकाकरण कार्यक्रम व्यवस्थित एंड-टू-एंड योजना में लंगर डाले हुए है: केंद्र

भारत ने प्रशासित 440 मिलियन (44.19 करोड़) खुराक के मील के पत्थर को पार कर लिया है. इन 9.60 करोड मामलों में से दोनों खराक पर्याप्त हैं जनवरी 2021 से अब तक राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को कुल 457 मिलियन खुराक की आपूर्ति की गई है और अतिरिक्त 60.3 मिलियन खुराक की आपूर्ति 31 जुलाई तक होने की उम्मीद है। यह जनवरी 2021 से 31 जुलाई 2021 तक आपूर्ति की गई कुल 517 मिलियन खुराक की राशि होगी। भारत सरकार (GOI) ने हाल ही में स्पष्ट किया कि देश का COVID-19 टीकाकरण कार्यक्रम वैज्ञानिक और महामारी विज्ञान के साक्ष्य, WHO के दिशानिर्देशों और वैश्विक सर्वोत्तम प्रथाओं पर बनाया गया है। मीडिया के कुछ वर्गों द्वारा लगाए गए आरोपों के विपरीत. भारत की वैक्सीन रणनीति और रिपोर्ट्स के बारे में गलत जानकारी दी गई है और स्पष्ट रूप से तथ्यों को गलत तरीके से प्रस्तत किया गया है। केंद्र ने दोहराया कि देश का COVID-19 टीकाकरण कार्यक्रम व्यवस्थित एंड-टू-एंड योजना में लंगर डाले हुए है और इसे राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों (UTs) और बड़े पैमाने पर लोगों की प्रभावी और कुशल भागीदारी के माध्यम से लाग किया जाता है।



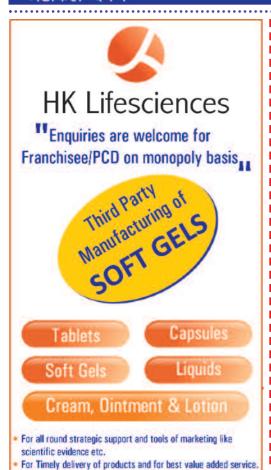
#### कामयाबी के लिए सुविधा नहीं -हौसला चाहिए

कामयाबी के लिए सुविधा नहीं हौसला चाहिए इन वाक्यों को चरितार्थ कर दिखाया है. 32 वर्षीय श्री शांति स्वरूप जी, मो॰ 8077747974 ने जो नसीराबाद की 66 रेजीमेंट में सबेदार है. उनके गांव करना में ना कोई झील है, ना तालाब है, ना ही नदी, ना ही कोई सुविधा परंतु उनके जहन में कायांकिंग थी और उनके अंदर कायांकिंग के लिए, लगन, समर्पण और दृढ़ इच्छाशक्ति थी जिनके कारण सुविधाओं का अभाव पीछे रह गया और 11 वर्ष की उम्र में उन्हें भारतीय खेल प्राधिकरण की टीम ने अपनी संस्था में भर्ती कर लिया. उसके बाद इस महान खिलाड़ी ने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा और उन्होंने देश का प्रतिनिधित्व करते हुए मलेशिया, हंगरी, उज्बेकिस्तान, इरान, जापान, कनाडा आदि देशों में अपने देश का मान बढ़ा चुके है. यही नही उन्होंने नेशनल लेवल पर 39 गोल्ड मेडल, 4 सिल्वर मेडल, व 4 कान्स पदक जीत चुके हैं. उनका कहना है कि बेहतर खिलाड़ी बनने के लिए सुविधाओं से जरूरी खेल पर मर मिटने का जन्बा आवश्यक यह विचार उन्होंने मैडीकल मीडिया हाऊस के. पी. रोड बुलंदशहर कार्यरत स्टाफ का हौसला बढ़ाने एवं मार्गदर्शन करते हुए व्यक्त किए. देश के इस महान खिलाड़ी को मैडीकल दर्पण परिवार उनके उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं प्रेषित करता हैं और आशा करता हैं कि वह इसी प्रकार भविष्य में भी देश का मान बढ़ाएंगे.

प्रवीण शर्मा, मो॰ 9456824705.







#### 355 दवाओं, itesciences Pvt. Ltd. 882 फॉर्म्युलेशन की

कीमतों की सीमा तय : मंत्री **नई दिल्ली:** राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण

प्राधिकरण (एनपीपीए) ने आवश्यक दवाओं

की राष्ट्रीय सूची, 2015 के तहत 355 दवाओं और 882 फॉर्मूलेशन की अधिकतम

कीमतें तय की हैं, मंगेलवार को संसद को सूचित किया गया। रसायन और उर्वरक मंत्री

मनसुख मंडाविया ने कहा, 'ज्यादातर दवाएं

जो COVID-19 प्रबंधन पोटोकॉल का

हिस्सा हैं, उनकी अधिकतम कीमतें हैं, जैसे,

पेरासिटामोल, डेक्सामेथासोन, मिथाइलप्रेड

निसोलोन, आईवीआईजी, एनोक्सापारिन,

बुडेसोनाइड, हेपरिन और एम्फोटेरिसिन,

आदि।' लोकसभा में एक प्रश्न का लिखित

उत्तर। रेमेडिसविर जैसी कुछ गैर-अनुसूचित

दवाओं के मामले में, जो COVID-19

प्रोटोकॉल का हिस्सा हैं और गैर-अनुसूचित हैं, सरकारी हस्तक्षेप पर, रेमेडिसविर

इंजेक्शन के प्रमुख निर्माताओं /

विपणक द्वारा रेमेडिसविर के

91 9756136150, +91 9458348629, +91 11 46107667

#### लैंसेट: फाइजर, एस्टाजेनेका एंटीबॉडी का स्तर छह सप्ताह के बाद कम होने लगता है

लंदनः फाइजर और एस्टाजेनेका टीकों के साथ पर्ण टीकाकरण के छह सप्ताह बाद कुल एंटीबॉडी स्तर कम होना शुरू हो जाता है, और द लैंसेट में प्रकाशित अध्ययन के अनुसार, 10 सप्ताह में 50 प्रतिशत से अधिक कम हो सकता है। युके में युनिवर्सिटी कॉलेज लंदन (युसीएल) के शोधकर्ताओं ने नोट किया कि यदि एंटीबॉडी का स्तर इस दर से गिरता रहता है, तो चिंताएं हैं कि टीकों के सुरक्षात्मक प्रभाव भी कम होने लग सकते हैं, खासकर नए वेरिएंट के खिलाफ। हालांकि, उन्होंने कहा, यह कितनी जल्दी हो सकता है, इसकी अभी भविष्यवाणी नहीं की जा सकती है।







## gary

Committed to **Dermatology** for Franchisee. Exclusive Derma / Skin / Cosmetology

Products as

**Tablets Ointments** Creams Capsules Shampoos Lotions **Dusting** Powders **Sun Screens** Moisturizers Oils **Face Wash** Soaps

We offer

Monopoly Rights, Leave behind cards, Promotional Materials, Visiting Cards, Visual Aids, etc.

Franchisee Enquiries:

Cell No.:+91 95927 88478 | Email: business.garypharma@gmail.com



Pharmaceuticals P Limited



Off NH-95, VPO Heeran - 141 112 (Pb.) India



विभिन्न ब्रांडों के एमआरपी Email - ahlawatpharmacy@gmail.com स्वेच्छा से कम कर दिए गए हैं।

web - www.ahlawatpharmacy.com

9412025125

#### जीएसके फार्मा ने एशिया कॉरपोरेशन को दो ब्रांड्स के अधिकार दिए

मुंबई: एमडी श्रीधर वेंकटेश ने कहा, 'हमारे मूल जीएसके पीएलसी की फार्मास्यटिकल्स और उपभोक्ता स्वास्थ्य देखभाल में दो विश्व स्तरीय कंपनियां बनाने की नई महत्वाकांक्षा के हिस्से के रूप में, हमने लॉडेक्स और ओस्टोकैल्शियम ब्रांडों के संबंध में अपने अधिकारों को ग्लैक्सोस्मिथक्लाइन एशिया में स्थानांतरित करने का निर्णय लिया है।' जीएसके फार्मा ने एशिया कॉर्पोरेशन को दिए 2 ब्रांड के अधिकार. जीएसके फार्मा ने दो प्रमुख ओटीसी ब्रांड आयोडेक्स ओस्टोकैल्शियम पर अपने अधिकार ग्लैक्सोस्मिथक्लाइन एशिया (उपभोक्ता) को 1,649 करोड़ रुपये में हस्तांतरित करने की घोषणा की। वैश्विक पुनर्गठन के हिस्से के रूप में लिए गए निर्णय को सोमवार को यहां कंपनी की बोर्ड बैठक में मंजूरी दी गई।

हस्तांतरण पर टिप्पणी करते हुए, ग्लैक्सोस्मिथक्लाइन फार्मास्युटिकल्स के एमडी श्रीधर वेंकटेश ने कहा, "फार्मास्यूटिकल्स और उपभोक्ता स्वास्थ्य सेवा में दो विश्व स्तरीय कंपनियां बनाने की हमारी मूल जीएसके पीएलसी की नई महत्वाकांक्षा के हिस्से के रूप में.

लॉडेक्स और ओस्टोकैल्शियम ब्रांडों के संबंध में हमने अपने अधिकारों को स्थानांतरित करने का निर्णय लिया है। ग्लैक्सोस्मिथक्लाइन एशिया'। लेन-देन वर्ष के अंत से पहले पूरा होने की उम्मीद है, शेयरधारक अनुमोदन और प्रासंगिक नियामक अनुमोदन सहित प्रथागत समापन शर्तों के अधीन। परिणामों पर टिप्पणी करते हुए, उन्होंने कहा, "हम उल्लेखनीय लचीलापन दिखाना जारी रखते हैं और महामारी के कारण होने वाली बाधाओं के बावजूद विकास प्रदान करते हैं। हमारी दवा निर्माण टीम ने हमारे प्रमुख ब्रांडों, विशेष रूप से कैलपोल (पैरासिटामोल) के लिए काफी बढ़ी हुई मांग को पूरा करने के लिए चौबीसों घंटे काम किया। इस प्रयास ने सुनिश्चित किया कि महामारी के दौरान रोगियों को इस महत्वपूर्ण दवा तक पहुंच मिलती रहे।

जबिक हमारे टीके व्यवसाय कम टीकाकरण दरों के कारण प्रभावित हुए थे, हमारे कई प्रमुख ब्रांडों ने अनुशासित निष्पादन, बढ़ी हुई डिजिटल क्षमताओं और बाजार में चपलता के कारण मजबूत वृद्धि देखी, जिसके परिणामस्वरूप बाजार हिंस्सेदारी में वृद्धि हुई।"

#### ज्ञानी लोग

बडे गम्भीर विषय पर गुरूजी का भाषण चल रहा था. चूंकि स्लाइड प्रोजेक्टर का प्रावधान था, अत: हॉल में अँधेरा था. पाँच-दस मिनट के बाद हॉल में लोगों की आपसी बातचीत स्पष्ट सुनाई देने लगी थी. कुछ लोग मोबाइल पर व्यस्त हो गए थे. गुरूजी ने भाषण को बीच में रोक दिया. वे बोले, "लगता है कि आप सब इस विषय में बेहद ज्ञानी हैं. कुछ भी बोलने की आवश्यकता

> डॉ॰ नरेन्द्र नाथ लाहा, ग्वालियर (म॰प्र॰), मो॰ 09753698240.



## www.medicaldarpan.com

